हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 13.06.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 319 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान क्रैश, 140 शव मिले, 242 थे सवार

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, 53 ब्रिटिश, 07 पुर्तगाली व एक कनाडाई नागरिक भी थे सवार

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार दोपहर को सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह जिस इलाके में गिरा वहां भी भारी तबाही हुई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से 241 लोगों की मौत हो गई। नागर विमानन महानिदेशालय ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

दुर्घटनास्थल पर व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री समेत तमाम नेताओं ने इस पर दुख जताया है।

एअर इंडिया का यह विमान टेक ऑफ करते ही हवाई अड्डे के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त होकर मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। इसमें कई छात्रों की मौत की आशंका है। कैप्टन सुमित सभरवाल, सह पायलट क्लाइव कुंदर के साथ विमान उड़ा रहे थे। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी नाम है।

एअर इंडिया के मुताबिक, बोइंग 787-8 दोपहर 13 बजकर 38 मिनट पर टेक ऑफ हुई थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद विमान के पायलट ने एटीसी को ह्यमेडेह्न यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गयी कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे के निकट के इलाके में गिर गया और दुर्घटनास्थल से काले धुएं के गुबार निकलने लगे।

विमान ने टेकऑफ करने के बाद महज 625 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरी लेकिन इसके बाद विमान 400 फीट प्रति सेकेंड की गति से नीचे आने लगा और 60-70 सेकेंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त विमान अहमदाबाद के मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। भीषण विस्फोट के साथ विमान जलकर राख हो गया। दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा गया। यहां भी कई छात्रों के मौत की आशंका है।

हादसे के बाद अहमदाबाद आयुक्त जीएस मलिक ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतीत होता है कि विमान दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि चूंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जहां कार्यालय भी थे, इसलिए कुछ स्थानीय लोग भी चपेट में आए होंगे। उन्होंने कहा कि हताहतों की सटीक संख्या का पता लगाया जा रहा है। मृतकों की पहचान के लिए यात्रियों के परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जाएंगे। हादसे के बाद सीआईएसएफ कर्मियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल सक्रिय किया और घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं के साथ बचाव अभियान शुरू किया गया। एनडीआरएफ की तीन टीमें घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन में हिस्सा लिया। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया और घायलों को वहां भर्ती कराया गया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हादसे को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुःखद बताया है। मुख्यमंत्री पटेल, राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी और आरोग्य मंत्री ऋषिकेश पटेल घायलों का हाल जानने के लिए सिविल अस्पताल पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं ने विमान हादसे पर दुःख जताया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने दुःख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान की दुर्घटना के बारे में सुनकर बिल्कुल स्तब्ध हूं। भयावह दृश्य देखकर दिल दहल जाता है। यात्रियों, पायलट और चालक दल के सदस्यों के परिवारों के साथ हमारी गहरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से पीड़ितों और उनके प्रियजन को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आग्रह करता हूं। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा, अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे से मैं बेहद स्तब्ध और व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं यात्रियों और चालक दल के परिजनों के साथ हैं।

तीन मेडिकल स्टूडेंट की मौत

मृतकों के परिजन को 1 करोड़ की सहायता राशि, टाटा ग्रुप ने किया एलान

नयी दिल्ली : टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, हम घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त, हम बीजे मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे।

चमत्कार! एयर इंडिया विमान हादसे में जिंदा बच गया एक शख्स

अहमदाबाद : गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी समेत 200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, विमान में सफर कर रहा एक यात्री जिंदा बच गया। इसे चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। विश्वास कुमार रमेश एयर इंडिया की फ्लाइट में 11 ए सीट पर बैठकर लंदन जा रहे थे। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 40 वर्षीय विश्वास कुमार ने बताया, "जब मैं उठा तो मेरे चारों ओर लाशें बिखरी पड़ी थीं। मैं डर गया। मैं खड़ा हुआ और भागा। मेरे चारों तरफ विमान के टुकड़े बिखरे पड़े थे। उड़ान भरने के तीस सेकंड बाद तेज आवाज हुई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह सब बहुत जल्दी हुआ।" विश्वास के सीने, आंखों और पैरों पर चोट आई है और उनका इलाज चल रहा है।

अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी का निधन हो गया है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने उनकी मौत की पुष्टि की।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने हादसे पर जताया दुख

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है। राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। उपराष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने हमें एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी का सामना करने पर मजबूर कर दिया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ एकजुटता से खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और दोनों को अहमदाबाद जाकर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करने और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

दुर्घटना स्थल पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अहमदाबाद : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी भी उनके साथ थे।

समाचार अत्यंत दु:खद और मर्माहत करने वाला : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना पर शोक जताया है। राज्यपाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि विमान दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुखद और मर्माहत करने वाला है। दिवंगतों के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

हृदयविदारक घटना से स्तब्ध हूं : हेमन्त सोरेन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की घटना हृदय विदारक है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में हवाई जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने की अत्यंत हृदयविदारक घटना से स्तब्ध हूं। दुर्घटना में हताहत हुए लोगों और उनके परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मरांग बुरु सभी की रक्षा करें।

हादसे के बाद जारी हुए ये हेल्पलाइन नंबर :

ब्रिटिश नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर- 020 7008 5000

अहमदाबाद पुलिस हेल्पलाइन नंबर- 7925620359

एअर इंडिया हेल्पलाइन नंबर- 1800 5691 444

नागरिक उड्डयन मंत्रालय हेल्पलाइन नंबर- 011- 24610843

गुजरात सरकार का हेल्पलाइन नंबर- 079-232 51 900

ब्रसेल्स में एस जयशंकर यूरोपीय संघ के नेताओं से की मुलाकात, ईयू ने की पहलगाम हमले की कड़ी निंदा

एजेंसी

ब्रसेल्स : भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 9 से 11 जून तक ब्रसेल्स की आधिकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान, उन्होंने बेल्जियम के राजा फिलिप और प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर से मुलाकात की और उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रिवोट के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं के साथ कई बैठकें कीं और यूरोपीय संघ-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा व्यापक और सार्थक व्यापार समझौते की दिशा में प्रगति के तरीकों पर चर्चा की। वहीं, यूरोपीय संघ ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद से अपने नागरिकों की रक्षा करने के भारत के अधिकार की बात दोहराई।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत के साथ संबंधों के लिए प्रतिनिधिमंडल, विदेश मामलों की समिति और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के यूरोपीय संसद के प्रमुख सदस्यों से भी मुलाकात की। बेल्जियम पक्ष के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों के दौरान, विदेश मंत्री ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का संदेश सौंपा और राजा फिलिप को अपने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। राजा फिलिप ने मार्च 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी टेलीफोन पर हुई बातचीत को याद किया। वहीं, मंगलवार को प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ अपनी बैठक में, विदेश मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में बेल्जियम के साथ अपनी घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री डी वेवर ने पीएम मोदी को बेल्जियम आने का अपना निमंत्रण भी दोहराया। प्रधानमंत्री डी वेवर के साथ हुए मुलाकात के बारे में विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बेल्जियम के प्रधानमंत्री डी वेवर से मुलाकात करके बहुत खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। व्यापार, सुरक्षा एवं रक्षा, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और नवाचार में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया की उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवोट के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में, दोनों मंत्रियों ने चल रहे सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और व्यापार और निवेश, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा, तथा फार्मास्यूटिकल्स सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए नए रास्ते तलाशे। बेल्जियम पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और समर्थन की अभिव्यक्ति को भी दोहराया।

दस करोड़ के ड्रग्स के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार, मिले लाखों के कैश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : पत्थलगडा के कुम्हार टोला में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ को जब्त किया है। बरामद ड्रग्स की कीमत 10 करोड़ आंकी जा रही है। इसके साथ ही घर से 23.60 लाख कैश भी बरामद किया है। इस दौरान एक महिला तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पत्थलगडा के कुम्हार टोला में अवैध ब्राउन शुगर का निर्माण एवं खरीद-बिक्री की जा रही है। इसके बाद सिमरिया सीडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापा में पत्थलगडा के कुम्हार टोला में मधु कुमारी पति उदेश कुमार दांगी के घर से 3.821 किलो ब्राउन शुगर, 2.784 किलो अवैध अफीम, 1.019 किलो अवैध सफेद पाउडर, चार बोतल एसिटल क्लोराइड एक एसीई कंपनी का इलेक्ट्रॉनिक मापतौल मशीन, रबर बंडल, नकदी 23 लाख 60700 रुपए कैश और दो मोबाइल बरामद किया गया। इसके साथ ही मधु कुमारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपित मधु कुमारी ने बताया कि अवैध अफीम एवं ब्राउन शुगर की तस्करी में पत्थलगडा के तेतरिया गांव निवासी रौशन दांगी पुत्र अरुण कुमार दांगी की संलिप्तता है। अवैध अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी एवं खरीद-बिक्री के आरोप में मधु कुमारी और रौशन दांगी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मधु कुमारी को न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग की इलाज के क्रम में मौत

चंदवारा : कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र की रहने वाली दुष्कर्म की एक नाबालिग पीड़िता की इलाज के क्रम में रांची के रिम्स में मौत हो गई। इस बाबत पीड़िता के पिता के द्वारा मंगलवार को चंदवारा थाने में पुत्री को भगा ले जाने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। दुष्कर्म की घटना 31 मई को घटित होने के बाद बदहवास नाबालिग ने 3 जून को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद गंभीर हालत में उसे पहले तो सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे हजारीबाग रेफर किया गया, उसके बाद उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए रांची के रिम्स ले जाया गया। जहां वह इलाजरत थी। पीड़िता के पिता ने बताया कि 31 मई को चंदवारा थानाक्षेत्र निवासी छोटेलाल पांडेय, पिता मृदुल पांडेय मेरे घर आया और मेरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर गौरी नदी की ओर ले गया और रातभर उसे अपने साथ रखा और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। काफी खोजबीन के बाद 1 जून को गौरी नदी के पास बदहवास स्थिति में उनकी नाबालिग पुत्री मिली और घर आकर उसने घटना की जानकारी दी। इधर, इस घटना से आहत मेरी पुत्री ने 3 जून को घर में पंखे से लटककर फांसी भी लगा थी, लेकिन सही समय पर घर के लोग वहां पहुंच गए और उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया था। 4 जून से मेरी पुत्री का इलाज रांची के रिम्स में चल रहा था, जहां बुधवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपित छोटेलाल पांडेय फरार है।

बाल श्रम निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर हैंड इन हैंड इंडिया कोडरमा के द्वारा उत्क्रमित + 2 उच्च विद्यालय ढुबा, ढोडाकोला पंचायत भवन, सपही आदि जगहों पर निबंध लेखन, शपथ ग्रहण सहित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हैंड इन इंडिया के डीजीएम रवि रंजन, पंचायत सचिव दशरथ यादव, परियोजना प्रबंधक रूपेश कुमार, उप परियोजना प्रबंधक तुलसी कुमार साव, प्रखंड प्रबंधक नीतीश पांडे आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रवि रंजन ने कहा कि बाल श्रम समाज के लिए अभिशाप बन गया है इसे समाप्त करना हम सब की जिम्मेवारी है, साथ ही साथ उन्होंने कहा कि हर बच्चे को विद्यालय से जोड़ना तथा उन्हें बाल मजदूरी से मुक्त कर एक बेहतर समाज की स्थापना की जा सकती है। वहीं पंचायत सचिव दशरथ यादव ने बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने सहित सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में 40 लड़कियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम चमेली कुमारी, द्वितीय विनीता कुमारी, तृतीय सीमा कुमारी रही। वहीं आठ बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र भी बनाया गया। मौके पर उप मुखिया रामु सिंह, पंचायत सचिव रवि रंजन, हैंड इन हैंड इन्डिया के साबिर अंसारी, बसंत कुमार, शकुंती कुमारी, गायत्री कुमारी, छात्रधारी सिंह, शकुंतला देवी, डिजिटल सखी मालती कुमारी, शिक्षक पुष्पा कुमारी आदि का कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सृजन महिला विकास मंच ने बाल श्रम निषेध दिवस पर किशोरियों के साथ निकाली जागरूकता रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा के इंदरवा, लारियाडीह, गरैंडीह यह तीन गांव में सृजन महिला विकास मंच द्वारा आज बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर कोडरमा के इंदरवा, लारियाडीह और गरैंडीह पंचायतों में किशोरियों के साथ मिलकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सृजन महिला विकास मंच, जो बाल विवाह, किशोरी की शिक्षा और उनके अधिकारों के लिए कार्य करती है, इस अवसर पर समुदाय में रैली, नुक्कड़ नाटक और संवाद सत्र का आयोजन किया गया। रैली में भाग लेने वाली किशोरियों ने हाथों में स्लोगन और पोस्टर लेकर गांव की गलियों में मार्च निकाला, जिससे लोगों का ध्यान बाल श्रम की गंभीरता की ओर आकर्षित किया गया। रैली के पश्चात किशोरियों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें यह दशार्या गया कि बाल श्रम बच्चों के भविष्य को कैसे अंधकारमय बना देता है। कार्यक्रम के दौरान सृजन महिला विकास मंच की सदस्य रोशनी,कंचन,बेबी और रिंकी ने समुदाय को बाल श्रम से होने वाले नुकसान, बच्चों के अधिकार और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, बच्चों को शिक्षा से वंचित करके ढिबरा चुनने जैसे कार्यों में लगाना उनके भविष्य के साथ अन्याय है। हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि हर बच्चा स्कूल जाए और एक बेहतर जीवन की ओर बढ़े। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय लोगों ने सृजन महिला विकास मंच के प्रयासों की सराहना की और यह स्वीकार किया कि आज की जानकारी ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक समुदाय सदस्य ने कहा, बच्चे पढ़ाई छोड़कर काम पर चले जाते हैं, लेकिन आज हमने जाना कि इससे उनका जीवन खराब हो सकता है। सृजन महिला विकास मंच का यह प्रयास सराहनीय रहा और उनका उद्देश्य - लोगों को जागरूक करना - सफल साबित हुआ।

डॉ ललन बाबू कस्तूरबा के नन्दनी का आकांक्षा में चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आर्थिक कमजोरी के कारण किन्ही गरीब बच्चों का इंजीनियर, डॉक्टर व जज बनने का सपना अधूरा रह न जाए। इसको लेकर झारखंड सरकार द्वारा आकांक्षा 40 योजना चलाई जा रही है। जिसमें गरीब बच्चों को निःशुल्क इंजीनियरिंग, मेडिकल की तैयारी करवाई जाती है। इसका रिजल्ट बुधवार को जारी किया गया। जिसमें प्रखण्ड के सिंहपुर में संचालित डॉ ललन बाबू कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय में अध्ययनरत नन्दनी कुमारी पिता टिंकू रजक ग्राम दादपुर का चयन हुआ है। नन्दनी कुमारी का एस सी कैटेगरी में पहला स्थान आया है। कुल पुर्णांक 63.75 % आया है। मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में भी उत्कृष्ट रिजल्ट था। इधर इनकी सफलता पर इनके माता पिता व शिक्षकों ने खुशी जाहिर की है। विद्यालय की प्राचार्या ममता कुमारी ने नन्दनी को बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने बताया कि नन्दनी कुमारी बचपन से काफी अनुशंसित व पढ़ाई के प्रति काफी मेहनती रही है। जिसका परिणाम आज सबके सामने है। वहीं नन्दनी के पिता टिंकू रजक निजी कम्पनी में काम करते हैं,पर ये अपने बच्चों के शिक्षा को लेकर हमेशा सीनशेयर रहते हैं। बतादें कि आकांक्षा 40 में पास करने के बाद झारखंड सरकार अपने खर्च पर एडमिशन भी दिलाती है और पढ़ाई भी पूरी कराती है।

विधायक ने किया शर्मा होटल का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागाँव। प्रखंड के बादम रॉड स्थित होरम मोड़ पास शर्मा होटल का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक रौशनलाल चौधरी एंव विशिष्ट अतिथि उपप्रमुख बचनदेव कुमार,पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार ,पूर्व मुखिया भीखन महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। होटल संचालक ने बताया कि हमारे यहां खाने और नाश्ते का उत्तम प्रबंध रहेगा। मौके पर विधायक रौशनलाल चौधरी, उपप्रमुख वचनदेव कुमार, पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार ,पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र प्रसाद, पूर्व मुखिया भीखन महतो, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, आजसु पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, मनोज प्रसाद दांगी, सोहनलाल मेहता,तपेश्वर कुमार तापस, गिरेन्द्र प्रसाद, कुलदीप विश्वकर्मा, आनन्द कुमार पासवान, पूनम कुमारी, ममता देवी, नीरज करमाली सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चौपारण के कई मिठाई दुकानों में भी मिलता है केमिकल युक्त मिठाई

चौपारण : मिठाई के नाम पर लोगों को धीरे-धीरे जहर परोसा जा रहा है। ताजा मामला चौपारण प्रखंड से सामने आया है, जहां मिलावटी मिठाइयों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। शुक्रवार को पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक इक्को वैन बीआर 27 एन 6084 से लगभग 150 किलो संदिग्ध मिठाई जब्त की गई, जो बिहार से लाई जा रही थी और झारखंड के कई जिलों में सप्लाई होनी थी। वाहन को चौपारण थाना लाए जाने के बाद, मिठाइयों की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रकाश गुगी हजारीबाग से पहुंचे। प्रारंभिक जांच में ही मिठाइयों में भारी मिलावट की आशंका जाहिर की गई। अधिकारी ने बताया कि मिठाइयों में अत्यधिक मात्रा में मैदा, हानिकारक रंग और केमिकल्स का इस्तेमाल साफ तौर पर नजर आ रहा था। सभी नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय बाजारों में यहीं मिठाइयाँ धड़ल्ले से बिक रही हैं, जो त्योहार, शादी-ब्याह और अन्य आयोजनों में खूब इस्तेमाल हो रही हैं।

बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए एलईडीसीएस के अधिवक्ताओं नवल किशोर व अरुण कुमार ओझा ने कहा कि 14 वर्ष से कम उम्र के लड़का या लड़की किसी से भी मजदूरी कराना बाल मजदूरी कहलाता है और यह कानून की नजर में अपराध है। जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी रोकथाम कर इसे जड़ से समाप्त करना हम सबों के नैतिक जिम्मेवारी है। बाल मजदूरी रोकथाम के लिए कानून में दंड एवं जुमार्ना दोनों का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि आज बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार एवं अनुशासन देना, देश की जरूरत है। शिक्षा के साथ संस्कार एवं अनुशासन से ही समाज एवं राष्ट्र का संपूर्ण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि आप सभी देश के भविष्य हैं। आप सभी लक्ष्य निर्धारित करे, फिर उस दिशा में कड़ी मेहनत कर उसे पाने का प्रयास करें। लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी। श्री ओझा ने कहा कि परीक्षा बहुत इंपॉर्टेंट है जो आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आप सभी को ईमानदारी से मेहनत कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। सभी लड़के एवं लड़कियों को उचित शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही है।

खरीफ मौसम के लिए 50% अनुदान पर बीज वितरण प्रारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खरीफ मौसम के अंतर्गत 50% अनुदान दर पर धान बीज वितरण की शुरूआत कर दी गई है। इस योजना के तहत बीज वितरण का शुभारंभ नोडल पैक्स - व्यापार मण्डल, कोडरमा में किया गया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं ग्राम लरियाडीह के मुखिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान किसानों को धान बीज वितरित किए गए और उन्हें योजना से अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया गया।

शहरी क्षेत्रों को आकर्षक, हरित और आधुनिक शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित करना : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया नगर परिषद् अंतर्गत सार्वजनिक पुस्तकालय सभागार में 'क्लीन तिलैया, ग्रीन तिलैया' अभियान के अंतर्गत एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त ऋतुराज, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला और नगर परिषद प्रशासक की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों द्वारा अतिथियों को पौधा भेंट कर की गई, जो पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक रहा। इसके पश्चात, उपायुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी और नगर परिषद प्रशासक द्वारा संयुक्त रूप से अभियान के मास्कॉट का लोकार्पण किया गया।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने पर जोर

परिचर्चा के दौरान सिविल सोसायटी के विभिन्न प्रतिनिधियों ने झुमरी तिलैया को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। प्रमुख सुझावों में शामिल थेः अशोक होटल से महाराणा प्रताप चौक तक पौधरोपण,बाजार समिति क्षेत्र को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित करना, खेल मैदान, चौपाटी और पार्किंग सुविधाओं का विकास, कंक्रीट डस्टबिन की व्यवस्था, सड़क चौड़ीकरण एवं शहरी स्वच्छता अभियान आदि। इन सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उपायुक्त ऋतुराज ने कहा, ह्लआप सभी के सुझावों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर कार्य किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य केवल शहर को स्वच्छ बनाना ही नहीं, बल्कि उसे एक आकर्षक, हरित और आधुनिक शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित करना भी है। उन्होंने आगे कहा कि अभियान के तहत महाराणा प्रताप चौक से सुभाष चौक तक पौधरोपण किया जाएगा। शहर की सीमाओं पर ग्रीन बेल्ट विकसित किए जाएंगे। जगह-जगह डस्टबिन लगाए जाएंगे। वार्डवार जिम्मेदारियाँ सौंपी जाएंगी, ताकि नागरिकों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

कपड़ा संग्रहण अभियान की भी घोषणा

उपायुक्त ने यह भी घोषणा की कि शहर में कपड़ा कलेक्शन अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत एकत्रित किए गए कपड़ों को साफ-सुथरा कर जरूरतमंदों के बीच वितरित किया जाएगा।

सफाईकर्मियों और स्वयं सहायता समूह को मिला प्रोत्साहन

कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी के द्वारा सफाईकर्मियों के बीच पीपीई किट का वितरण कर उनके कार्यों की सराहना की गई। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही स्वयं सहायता समूह (रल्त्र्र्) की दीदियों को प्रोत्साहन स्वरूप चेक का वितरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त, नगर क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु डस्टबिन का भी प्रतीकात्मक वितरण किया गया। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि, "सफाईकर्मी और स्वयं सहायता समूह समाज की रीढ़ हैं। इन्हें सशक्त कर हम शहर को वास्तव में स्वच्छ और आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

पौधारोपण के साथ अभियान का विधिवत आरंभ

कार्यक्रम के समापन पर उपायुक्त ऋतुराज और वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला ने महाराणा प्रताप चौक पर पौधारोपण कर ह्यक्लीन तिलैया, ग्रीन तिलैयाह्ण अभियान की औपचारिक शुरूआत की। इस पहल का उद्देश्य झुमरी तिलैया को हरित, स्वच्छ और सतत विकासयुक्त शहर के रूप में स्थापित करना है। इस अवसर पर नगर परिषद के प्रशासक, नगर परिषद कर्मी एवं शहर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीओ ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

चौपारण : अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव चौपारण अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टीटही, सिंघरावा 3, सिंघरावा 1 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोषाहार के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली टी एच आर से संबंधित पूछताछ कर एवं बच्चों की उपस्थिति सेविका सहायिकाओं की उपस्थिति की स्थिति को लेकर आवश्यक जांच की। वही जांचों उपरांत संजय यादव ने बताया कि निरीक्षण किए गए केंद्रो पर स्थिति सामान्य मिली। कुछ केंद्रो पर त्रुटियां पाई गई है जिसके लिए मौजूद सेविकाओं को उचित दिशा निर्देश दिया गया। इसके साथ भाड़े पर चलने वाले केंद्रो के लिए भूमि चिन्हित करने हेतु सेविका और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की गई, ताकि सभी केंद्रो का अपना भवन हो।

सरकार रघुवर दास की नही हेमंत सोरेन की है एनटीपीसी झुकेगी : अरूप चटर्जी

बड़कागांव : हम लोग सरकार की तरफ से जरूर मदद करेंगे यह जनता की सरकार है अगर कंपनी बोलती है कि राज्य सरकार बोलेगी तो कंपनी मानेगी राज्य सरकार से हम लोग पहल करेंगे और राज्य सरकार से वादा करवाएंगे। उक्त बातें एनटीपीसी के खिलाफ कट अप डेट को लेकर 13 माइल के पास युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में लोगों को संबोधित करते हुवे निरशा के विधायक अरूप चटर्जी ने कहा है। आगे कहा कि एनटीपीसी को हर हाल में झुकना होगा। हम हक के लिए लड़ाई लड़ेंगे और हक जरूर मिलेंगे, हमारे नाम पर आवेदन दे दीजिए हम लोग स्पीकर का आदेश लेकर समिति के द्वारा जांच के लिए आदेश लेकर समिति बनी हैं। अगला विधानसभा में इस पर बात को रखेंगे। झारखंड सरकार बहुत जल्द विस्थापन आयोग बनने जा रहे हैं। जिसका जमीन या घर जा रहा है उसको रोजगार और विस्थापन देना चाहिए। इस दौरान निरसा विधायक अरुप चटर्जी को युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा मांग पत्र भी सौपा गया।

बाल मजदूरी एक सामाजिक बुराई, हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत : अरुण ओझा

कोडरमा : बागीटाड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के प्रांगण में ग्रुप हेड क्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन के कमान अधिकारी विजय कुमार सेवा मेडल के नेतृत्व में आयोजित कोडरमा, हजारीबाग एवं गिरिडीह के 600 एनसीसी कैडेटों के 10 दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण शिविर के दौरान आयोजित विधिक जागरूकता शिविर सह मोटिवेशनल स्पीच के मुख्य वक्ता अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि बाल मजदूरी व बाल विवाह एक सामाजिक बुराई। जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी व बाल विवाह रोकथाम कर इसे जड़ से समाप्त करना हम सबों के नैतिक जिम्मेवारी है। बाल मजदूरी एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए कानून में दंड एवं जुमार्ना दोनों का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि आज बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार एवं अनुशासन देना, देश की जरूरत है। शिक्षा के साथ संस्कार एवं अनुशासन से ही समाज एवं राष्ट्र का संपूर्ण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि आप सभी देश के भविष्य हैं। आप सभी लक्ष्य निर्धारित करे, फिर उस दिशा में कड़ी मेहनत कर उसे पाने का प्रयास करें। लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी। श्री ओझा ने कहा कि परीक्षा बहुत इंपॉर्टेंट है जो आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आप सभी को ईमानदारी से मेहनत कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। सभी लड़के एवं लड़कियों को उचित शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होंने पोक्सो एक्ट पर बोलते हुए कहा कि नाबालिक बच्चों, लड़की हो या लड़का उसके साथ अगर किसी भी तरह का सेक्सुअल ऑफेंस किया जाता है तो न्यायालय में इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है।

अंचल अधिकारी ने गिट्टी लदा वाहन किया जब्त

चौपारण : सीओ सजंय यादव के नेतृत्व में गुरुवार को एक आयशर वाहन में लदा गिट्टी को प्रखण्ड के सिजुआ के पास से जप्त कर चौपारण थाना को सुपुर्द किया गया। इसके बाद बालू लदा एक ट्रैक्टर को प्रखण्ड के सिंघरावा से जप्त कर थाना लाया गया। सीओ सजंय यादव ने बताया कि पकड़े वाहनों के पास से परिवहन व सप्लाइ से सम्बंधित कोई भी कागजात मांगने पर प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद वाहनों को थाना को सुपुर्द करते हुए अग्रेतर कारवाई करने के लिए खनन विभाग को पत्र प्रेषित किया गया है। बतादें कि एनजीटी लगने के कारण 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू का उठाव पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध है। सीओ सजंय यादव ने अवैध बालू-गिट्टी तस्करी पर एक्शन के बाद कहा कि चौपारण प्रशासन की ओर से अवैध बालू-गिट्टी तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य किया जा रहा है। इन वाहनों के पास से परिवहन व सप्लाइ से सम्बंधित कोई भी कागजात नहीं मिले, जो यह साबित करता है कि यह अवैध तस्करी थी। हम ऐसे सभी मामलों में सख्त कार्रवाई करेंगे और अवैध तस्करी को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। लोगों से भी अपील है कि वे अवैध तस्करी के खिलाफ हमारा साथ दें और ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

एक नजर

कुम्हार महासभा का 29 को सम्मान समारोह

रांची : झारखंड कुम्हार महासभा झारखंड प्रदेश की ओर से 29 जून को दिगंबर जैन भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। महासभा के अध्यक्ष राजू प्रजापति ने गुरुवार को बताया कि कार्यक्रम में 2025 की वार्षिक परीक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले कुम्हार समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान जैक, सीबीएसई या आईसीएसई के छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

भाकपा नेत्री गायत्री देवी का हार्ट अटैक से निधन

रांची : भाकपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह झारखंड राज्य के संगठन विभाग के सचिव बोकारो निवासी राजेंद्र प्रसाद यादव की धर्मपत्नी और पार्टी नेत्री गायत्री देवी का निधन इलाज के दौरान हो गया। गायत्री देवी का निधन बुधवार की रात्रि में हार्ट फेल होने से पटना स्थित मेदांता अस्पताल में हुआ। गायत्री देवी के निधन पर भाकपा के राज्य परिषद की ओर शोक प्रकट किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह जानकारी पार्टी के नेता अजय सिंह ने गुरुवार को दी।

आसिफ ने मारपीट व फायरिंग मामले में कोर्ट में किया सरेंडर

रांची : पूर्व वार्ड पार्षद मो. असलम जो कि रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी है, उसके भाई आसिफ हुसैन ने गुरुवार 12 जून को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद सीजेएम की कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। बता दें कि आसिफ के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट ने बीते दिनों इश्तेहार जारी करने का आदेश दिया था।
झारखंड हाई कोर्ट और रांची सिविल कोर्ट में आसिफ ने इस मामले को लेकर अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। लेकिन उसकी याचिका को दोनों अदालतों ने खारिज कर दिया था। उसके खिलाफ रांची सिविल कोर्ट ने हाल ही में इश्तेहार जारी करने का आदेश दिया था। इसके बाद आसिफ पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा था। 23 जनवरी 2025 को हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र निवासी कलीम ने प्राथमिकी दर्ज कराया था।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा
ई-निविदा सूचना सं.: आरएसओ-आरआर-सिनी-25-27-9, दिनांक 11.06.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए [illegible] ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। [illegible] निविदा मूल्य: रु. [illegible] ई.एम.डी.: रु. 1,44,800। निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 5,000/-। ई-निविदा खुलने का स्थान: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ओपी)/चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे का कार्यालय। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: दिनांक 03.07.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: दिनांक 03.07.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। [illegible] (PR-263)

ई-निविदा सूचना सं. ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-22-25, दिनांक 11.06.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी)/रांची, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसे दिनांक 03.07.2025 को सुबह 10.30 बजे अथवा उसके उपरांत खोला जाएगा। संक्षिप्त विवरण/कार्य का नाम: (i) रांची मंडल के तहत एबीएसएस के अधीन 04 स्टेशनों [illegible] (ii) एबीएसएस के अधीन 11 स्टेशनों [illegible] सिल्ली, मुरी, रामगढ़ कैंट, [illegible] विद्युतीय कार्य। कार्य की विज्ञापित मूल्य: रु. 14,70,960.30; ईएमडी/बोली सुरक्षा: रु. 29,400; निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 03.07.2025 को सुबह 10.30 बजे वेबसाइट का विवरण: https://www.ireps.gov.in निविदा का विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं। [illegible] (PR-265)

झारखंड की शैक्षणिक बेहतरी के लिए राज्यपाल बेहद गंभीर, मिला आश्वासन : बंधु तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार झारखंड में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिये बहुत अधिक गंभीर हैं और उन्होंने अपेक्षित गुणात्मक सुधार का उन्हें आश्वासन दिया है। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के पठन-पाठन एवं शैक्षणिक वातावरण में सुधार के साथ ही वहां आधारभूत संरचना के विकास के लिये भी उन्होंने सरकार को निर्देशित करने की बात कही है।
राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, ₹राज्यपाल को यह लिखित सुझाव दिया है कि मूलतः झारखंड के उन विद्वान शिक्षाविदों की नियुक्ति विविध विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में की जाये, जिन्हें झारखंड की जनजातीय विविधता, प्राकृतिक संसाधन एवं यहाँ की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संरचना व परिवेश की अच्छी जानकारी हो, जिससे उनके अनुभव का सीधा फायदा झारखंड के छात्र-छात्राओं के साथ ही इस प्रदेश को भी मिलेगा। उन्होंने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से अनुरोध करते हुए कहा, झारखंड के सभी अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट में नामांकन न लेने के अपने निर्देश पर पुनर्विचार करते हुए वे वैसे अंगीभूत महाविद्यालयों में 11वीं एवं 12वीं के नामांकन को रोकने के लिये 3 वर्षीय योजना के क्रमिक अनुपालन को लागू करने का निर्देश दें, जिससे प्लस टू विद्यालयों की आधार संरचना का विकास हो सके और वहाँ अपेक्षित योग्यता वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति हो सके। उन्होंने आगे कहा, राज्यपाल से यह अनुरोध किया है कि सभी विश्वविद्यालयों के साथ ही उसके तहत अंगीभूत महाविद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए वहाँ योग्य फैकल्टी, विशेष रूप से योग्य विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति के लिये वे सरकार को निर्देशित करें। पोर्टल के माध्यम से विविध महाविद्यालयों में नामांकन लेने के साथ ही व्यवस्था में अपेक्षित सुधार करते हुए ऑफलाइन नामांकन लेने की भी जरूरत है, जिसका फायदा झारखंड के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को मिलेगा।
मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के साथ प्रतिनिधि मंडल में पूर्व महापौर रमा खलखो, रमेश महली, प्रो. जगदीश लोहरा, शिव उरांव, मंगा उरांव, कर्मा उरांव, शांतनु मिश्रा, आतिफ सिद्दीकी एवं जमील मलिक शामिल थे। बंधु तिर्की ने राज्यपाल को विश्व प्रसिद्ध मियाजाकी आम का पौधा भी भेंट किया।

झामुमो के पक्षकार खूद को न समझें पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता : विनोद पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का पक्ष रखनेवाले सदस्यों को मीडिया प्लेमटफॉर्म पर केंद्रीय प्रवक्ता या प्रवक्ता के रूप में नहीं, बल्कि सिर्फ पार्टी के पक्षकार के रूप में बातें रखने का निर्देश दिया गया है। यह बातें झामुमो के केन्द्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने गुरूवार को पत्र जारी कर कहा।
उन्होंने कहा कि झामुमो के निर्णय, कार्यक्रम और सम-सामायिक विषयों पर मीडिया में पार्टी का पक्ष रखने के लिए बीते दिनों कुछ लोगों का नाम जारी किया है। लेकिन आए दिन ऐसा देखा जा रहा है कि पक्षकार के रूप में जारी किए गए उस पैनल में शामिल पक्षकार, पार्टी के पक्षकार के रूप में नहीं बल्कि खूद को प्रवक्ता या केन्द्रीय प्रवक्ता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। इसलिए बीते 28 मई को घोषित पैनल के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समाचार चैनल, समाचार पत्रों, वेब मीडिया और अन्य समाचार माध्यमों में पार्टी का

पक्ष रखते समय स्वयं को पार्टी का पक्षकार (मीडिया पैनलिस्ट) के रूप में प्रस्तूत करेंगे न कि केन्द्रीय प्रवक्ता या प्रवक्ता के रूप में।
पांडेय ने कहा कि पक्ष रखने के दौरान पार्टी की मयार्दा को बनाकर रखेंगे। मोर्चा की ओर से जारी पक्षकार सदस्यों के नामों में मुख्य रूप से गिरिडीह जिला के लिए डॉ सरफराज अहमद, मिथलेश ठाकुर, पंकज मिश्रा, साहेबगंज के लिए विजय हांसदा, रांची के लिए डॉ महुआ माजी, रांची के लिए विकास कुमार मुंडा, धनबाद के लिए डॉ निलम मिश्रा, रांची के लिए प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह, पूर्वी सिंहभूम से मनोज यादव, रांची से तनुज खत्री, गढ़वा से धीरज दूबे का नाम जारी किया गया था।

फ्लाईओवर पर दो युवकों की अमर्यादित रील वायरल, मंत्री ने लिया संज्ञान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित नवनिर्मित मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर (कार्तिक उरांव ब्रिज) एक बार फिर चर्चा में है। दो युवकों ने रील्स बनाते हुए फ्लाईओवर को लेकर अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दीपक कुमार मुंडा नाम के एक व्यक्ति ने वीडियो पोस्ट कर राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा से दोनों युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिस पर दीपक बिरुवा ने संज्ञान लेते हुए रांची ट्रैफिक पुलिस को कार्रवाई करने का आदेश दिया।

सजा नहीं, संस्कार सिखाने की जरूरत : दीपक बिरुवा

दीपक बिरुवा ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा है कि बहुत पीड़ा होती है, जब युवा अपने संस्कारों को छोड़कर सस्ती

लोकप्रियता के लिए किसी भी हद तक जाकर असामाजिक और अमर्यादित भाषा का उपयोग करते हैं। यह बात मैं एक मंत्री के नाते नहीं, बल्कि एक पिता और सामाजिक व्यक्ति के नाते कह रहा हूं। इन्हें सजा नहीं, संस्कार सिखाने की जरूरत है। मंत्री ने रांची ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया कि वे इन युवकों को उनके बनाए गानों के लिए सम्मानित करें और उन्हें संस्कारों का महत्व समझाएं।
परिवहन मंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे परिवहन और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाने वाले गानों और रील्स बनायें। सरकार ऐसे प्रयासों को न केवल प्रोत्साहित करेगी, बल्कि प्रचार-प्रसार भी करेगी।
उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इसी फ्लाईओवर पर एक युवक ने बाइक से खतरनाक स्टंट किया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। उस मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार किया था और उसकी बाइक जब्त कर ली थी। साथ ही, उसे फ्लाईओवर पर पैदल परेड भी कराया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केसः बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप को जमानत नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेना के कब्जे वाली भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपित बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप को जमानत देने से पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने इनकार कर दिया। उसने अपनी कस्टडी को आधार बनाते हुए कोर्ट से जमानत मांगी थी लेकिन कोर्ट ने उसे जमानत नहीं दी। बहस के दौरान ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका ने भानू की याचिका का पुरजोर विरोध किया। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 13 और 14 अप्रैल 2023 को अवैध

तरीके से जमीन की बड़े पैमाने पर हुई खरीद-फरोख्त के मामले में झारखंड, बंगाल एवं बिहार के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी को राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप के रांची और सिमडेगा स्थित आवास से कई जमीन के डीड मिले थे। पूछताछ के बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। भानू प्रताप के अलावा ईडी ने अलग-अलग तारीख में कई लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें फर्जी कागजात तैयार करने वाले अफसर अली, सद्दाम, इम्तियाज अहमद, तल्हा खान, प्रदीप बागची और फैयाज खान सहित अन्य शामिल हैं।

पूजा सिंघल के अमेरिका जाने की इजाजत पर फैसला सुरक्षित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आईएएसस पूजा सिंघल पति अभिषेक झा के साथ विदेश जाना चाहती हैं। वह पति के साथ अमेरिका जाना चाहती हैं। पूजा सिंघल ने रांची के पीएमएलए कोर्ट में याचिका डालकर उनका पासपोर्ट लौटाने की मांग की है। आज उस याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। पूजा सिंघल ने याचिका में कहा है कि बेटी का दाखिला अमेरिका में कराना है जिसके लिए पासपोर्ट चाहिए। अब फैसले का इंतजार करना होगा कि कोर्ट पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा का पासपोर्ट रीलीज करता है या नहीं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में घिरी पूजा सिंघल अभी जमानत पर जेल से बाहर हैं। पूजा सिंघल को मनरेगा घोटाला केस में ईडी ने 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। 6 मई 2022 को पूजा सिंघल से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी हुई थी तब उनके सीए सुमन कुमार के आवास से 19 करोड़ रुपये से अधिक कैश मिले थे।
पूजा सिंघल को गिरफ्तारी के 28 महीने बाद 7 दिसंबर 2024 को जमानत मिली थी। पूजा सिंघल को जब ईडी ने गिरफ्तार किया था उस समय वह झारखंड की खान एवं उद्योग सचिव हुआ करती थी। पूजा सिंघल पर खूंटी जिला का डीसी रहते हुए 18 करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला करने का आरोप था।

रांची नगर निगम ने तीन महीने में 77 प्रतिशत शिकायतों का किया समाधान, कई विभागों का प्रदर्शन सराहनीय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम ने शहरवासियों की शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए बीते तीन महीनों (1 मार्च से 10 जून 2025) के दौरान कुल 5089 में से 3935 शिकायतों का समाधान कर दिया है। यह लगभग 77 प्रतिशत समाधान दर निगम की सक्रियता, जवाबदेही और जनता के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है।
शिकायतों की संख्या के लिहाज से लाइट विभाग सबसे व्यस्त रहा। इस विभाग से संबंधित 2444 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 1900 का समाधान कर लिया गया। स्ट्रीट लाइट्स की समस्याएं

प्रमुख रही, लेकिन संतोषजनक गति से निपटारा किया गया।
इसी तरह स्वच्छता विभाग को 1384 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1187 मामलों में कार्रवाई की गई। इससे साफ है कि सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम पर लोगों का विश्वास बढ़ा है।
हेल्थ और स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कुल 242 शिकायतें आईं, जिनमें 180 का समाधान किया गया। वाटर बोर्ड को 229 शिकायतें मिलीं, जिनमें 187 पर कार्रवाई की गई। गर्मी के मौसम में जल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का समाधान नगर निगम की प्राथमिकता में शामिल रहा।
एनफोर्समेंट विभाग को 316 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 282 का निपटारा किया गया। करीब 89 प्रतिशत समाधान दर के साथ यह विभाग प्रदर्शन के मामले में अग्रणी रहा।
हालांकि कई विभागों ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन इंजीनियरिंग विभाग जैसे बुनियादी ढांचे से जुड़े विभाग का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। विभाग को 172 शिकायतें मिलीं, लेकिन केवल 5 मामलों में ही समाधान हो पाया। इसी तरह, गार्डन व हॉर्टिकल्चर विभाग को 49 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 13 का निपटारा हुआ।
राजस्व विभाग को 184 शिकायतें मिलीं, लेकिन केवल 77 का समाधान किया जा सका। टाउन प्लानिंग विभाग ने 40 में से 14 शिकायतों पर ही कार्रवाई की।
DAY-NULM योजना के तहत केवल 1 शिकायत दर्ज की गई, जो अब भी लंबित है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिन पर कार्रवाई की प्रतीक्षा है।
बर्थ एंड डेथ रजिस्ट्रेशन विभाग को 22 शिकायतें प्राप्त हुईं, लेकिन अभी तक किसी पर समाधान नहीं हो सका। उम्मीद है कि इन शिकायतों को भी जल्द निपटाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में बारिश नही होने से बढ़ी गर्मी उमस से लोग परेशान

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में पिछले तीन- चार दिनों से बारिश नहीं होने से गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। राजधानी रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान बढ़कर 34 डिग्री और उमस अधिकतम 96 प्रतिशत दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने 14 जून से राज्य के अधिकांश जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। इससे तापमान और उमस में कमी आने की आशंका है। फिलहाल दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून मुंबई, अहिल्यानागर, आदिलाबाद और ओडिशा के पुरी में सक्रिय है। इसके झारखंड में 15 जून के बाद ही पहुंचने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव में 18.4 मिमी रिकॉर्ड किया गया। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज 41.4 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री लातेहार में दर्ज किया गया। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 34 डिग्री, जमशेदपुर में 35.8, डालटेनगंज में 40.1, बोकारो में 36.5 और चाईबासा में तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

टाइल्स फैक्टरी के गेट पर फायरिंग सीसीटीवी में कैद हुई घटना

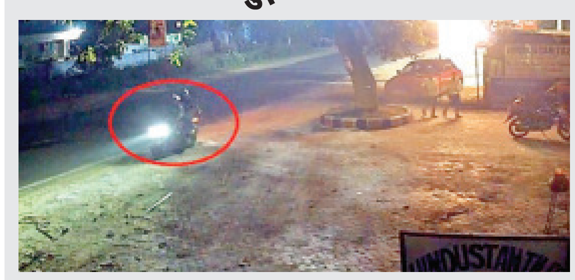

रांची : खरसीदाग ओपी क्षेत्र स्थित एक टाइल्स फैक्टरी के मुख्य गेट पर बुधवार की रात फायरिंग की गई है। फायरिंग के बाद उग्रवादियों ने घटना स्थल पर पर्चा भी छोड़ा है। फायरिंग की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि दो युवक एक बाइक पर सवार होकर फैक्टरी के गेट के पास पहुंचे। पीछे बैठे युवक ने गेट पर फायरिंग की और दोनों मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर रही है। ओपी प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फायरिंग करने वालों की पहचान की जा रही है। उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

रिम्स में महिला से दुष्कर्म के आरोपी सैप जवान को हाई कोर्ट ने दी जमानत

रांची : रिम्स में मरीज के साथ आयी महिला अटेंडेंट से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद सैप के जवान संतोष कुमार बारला को हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। हाई कोर्ट ने 25-25 हजार के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर जमानत दी है। आरोपित की ओर से अधिवक्ता प्रितानशु सिंह ने बहस की। मामले की सुनवाई न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई। बरियातू थाना क्षेत्र स्थित राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना का मामला 18 जनवरी को सामने आया था। इस मामले की जानकारी के बाद महिला के पति ने बरियातू थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद बरियातू थाना पुलिस ने आरोपी जवान संतोष कुमार बारला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

नशा के सेवन से मानसिक क्षमता पर पड़ता है प्रतिकूल प्रभाव : असीम मांझी

रांची : निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम सह प्रशिक्षण का समापन सिविल सर्जन कार्यालय सभागार गुरुवार को हुआ। इसके साथ ही 26 जून तक जिला के शहरी क्षेत्र और सभी प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। जागरूकता अभियान के तहत सभी प्रखंड के विभिन्न टोला मोहल्ला और चौक चौराहा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभाव एवं इसका सेवन नहीं करने के इधर, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को नशे के खतरों से अवगत कराया जा रहा है ताकि वे इसकी चपेट में नहीं आ सकें। साथ ही रांची जिले में कई इस गतिविधियों पोस्टर, बैनर,पंपलेट के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर डीआरसीएचओ डॉ असीम मांझी ने बताया कि नशा और अन्य मादक पदार्थों का सेवन हमारे मस्तिष्क के काम करने के तरीके को बहुत प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यह हमारी मानसिक क्षमता और मनोदशा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। हम नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एकजुट होकर संकल्प लेते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त रखेंगे। क्योंकि बदलाव की शुरूआत खुद से होती है। आंकड़ों से पता चलता है कि देश में तकरीबन दस करोड़ लोग नशे की गिरफ्त में हैं, जिनमें अधिकतर युवा हैं। यह बहुत ही चिन्तनीय है। नशे से बचने के लिए युवाओं को सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ना होगा। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने सभी लोगों को प्रशिक्षण लेने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रखंड और पंचायत स्तर पर जाकर लोगों को नशा नहीं करने के लिए और इससे होने वाले दुष्परिणामों को लेकर जागरूक करने और साथ ही नशे में लिप्त लोगों को नशा छोड़ने को प्रेरित करने को कहा। सुशांत कुमार जिला परामर्शी टोबैको कंट्रोल सेल ने बताया कि नशा या मादक पदार्थ का सेवन करने से लोगों में नशे की लत जल्दी से विकसित हो जाती है और एक बार नशे की आदत लगने के बाद इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। इसलिए सभी लोगों खासकर युवा वर्ग से अपील है कि वे किसी भी परिस्थिति में इसका सेवन न करें।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

कसमार : प्रखंड के हिसीम पंचायत की मुखिया बबीता देवी और समाजसेवी फणींद्र मुंडा के भतीजा मनु मुंडा (18) की गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। घटना जरीडीह थाना क्षेत्र के एनएच-23 स्थित बहादुरपुर-बकसपुरा के समीप सोना-सोबरन पेट्रोल पंप के पास घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनु मुंडा अपने दोस्त सुरेन टुडू (16) के साथ बोकारो कॉलेज से लौट रहा था। इसी दौरान उन्होंने पेट्रोल पंप में ईंधन भरवाने के लिए बाइक को जैसे ही बाएं मोड़ा, पीछे से आ रहे डालमिया सीमेंट लदे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गया। इससे मनु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि सुरेन गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को आनन-फानन में बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जरीडीह थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। वहीं, आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है। मृतक मनु मुंडा, समाजसेवी फणींद्र मुंडा के बड़े भाई तुलसी मुंडा का पुत्र था।

युवक की पत्थर से कूचकर हत्या, अपहरण के बाद मांगी गई थी 25 लाख फिरौती

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र की जोशी कॉलोनी में बुधवार रात एक 19 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सेक्टर-3 सी निवासी देबाशीष कुमार के रूप में हुई है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट उसकी मां रीता देवी ने 10 जून को दर्ज कराई थी। देबाशीष 12वीं पास छात्र था और अयप्पा पब्लिक स्कूल का पूर्व छात्र था। उसके मामा ओमप्रकाश के अनुसार, 10 जून को दोपहर 2 बजे एक दोस्त के फोन पर वह घर से निकला था, जिसके बाद से उसका मोबाइल बंद था। मोबाइल ट्रैकिंग के जरिये जब जांच आगे बढ़ी तो पुलिस ने गेमन कॉलोनी में स्थित एक घर के आंगन से उसका शव बरामद किया। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि देबाशीष की हत्या पत्थर से कूच कर की गई है। अपहरणकर्ताओं ने मृतक के मामा के लड़के को व्हाट्सएप पर एक वीडियो भेजकर 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। यह वीडियो खुद देबाशीष के नंबर से भेजा गया था, जिसमें उसे धनबाद में रखने की बात कही गई थी।

NOTICE

I, ANAMIKA RAY, W/o Kamlesh Kumar Ray, aged about- 36 years, by faith-Hindu, R/o Bermo Road, Jainamore, P.O- Jainamore, P.S- Jaridih, Bokaro, Jharkhand, 829301, do hereby solemnly affirm on oath and declare affidavit no. 78038 dated 12-06-2025 as follows:-

1. That, my real, actual and correct name is ANAMIKA RAY according to my Aadhaar Card vide aadhaar No.- 498288471159.

2. That, In my Bank Passbook vide Account no. 485910110007992, Bank of India, Branch- St. Xavier's School, Bokaro, IFSC Code- BKID0004859 where my name has mentioned as ANAMIKA KUMARI.

3. That, ANAMIKA RAY & ANAMIKA KUMARI both name are same and one Person i.e. myself.

देवाशीष अपहरण व हत्या कांड का हुआ खुलासा
25 लाख की फिरौती के लिए की गई थी वारदात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएस सिटी थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय देवाशीष कुमार के अपहरण और हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। देवाशीष के परिजनों से 25 लाख रुपये की फिरौती वसूलने के उद्देश्य से उसका अपहरण कर हत्या की गई थी। हत्या के बाद शव को गेमन कॉलोनी स्थित एक खाली क्वार्टर में दफनाया गया था। इस संबंध में पीड़िता रीता देवी, पति विजेंद्र कुमार, निवासी सेक्टर 3सी, क्वार्टर संख्या 139, थाना बीएस सिटी, जिला बोकारो ने दिनांक 11 जून 2025 को अपने पुत्र देवाशीष (उम्र 19 वर्ष) के अपहरण की लिखित शिकायत थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, देवाशीष 10 जून की दोपहर 2 बजे से लापता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (रक्ळ) का गठन किया गया। जांच के क्रम में तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अमन कुमार वत्स (उम्र 19 वर्ष), पिता कृपा शंकर चौहान, निवासी सेक्टर-12ए, क्वार्टर संख्या 1289 को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अमन ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसने फिरौती की नीयत से देवाशीष का अपहरण किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। शव को गेमन कॉलोनी के क्वार्टर नंबर ऋ9 में गड्ढा खोदकर दफना दिया गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने वहां से शव बरामद कर लिया। मौके से पुलिस ने कई आपत्तिजनक व तकनीकी साक्ष्य भी जब्त किए जिनमें लोहे का सबल, एयरटेल 4ऋ सिम (899152419), 32 जीबी का सैंडिस्क मेमोरी कार्ड, बोइलिंग क्राउड कंपनी की शराब की अधूरी बोतल, मृतक के कपड़े व चप्पल, अभियुक्त का जूता और तीन मोबाइल फोन शामिल हैं। छापेमारी दल में सेक्टर 4 थाना प्रभारी संजय कुमार, शैलेन्द्र पासवान, महती बोयपाय, जितेश कुमार सहित कुल 9 पुलिसकर्मी शामिल थे। फिलहाल पुलिस अन्य संभावित सहयोगियों की संलिप्तता को लेकर गहन पूछताछ और साक्ष्य संकलन में जुटी है। देवाशीष की निर्मम हत्या से इलाके में आक्रोश है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले में शामिल सभी दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

ग्रामीणों को स्वास्थ्य लाभ के लिये आभा स्वास्थ्य कार्ड वनवाने के लिये लगा शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तेतुलमारी : श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेर्शालय धनबाद द्वारा बाघमारा प्रखंड के छोटा नगरी पंचायत के आदिवासी बहुल गांव तिलाटांड में श्रमिक चौपाल के तहत जीन ग्रामीणों का आधार मोबाइल लिंक है उनलोगों का स्वास्थ्य कार्ड बनाया गया। झामुमो के वरीय नेता रतिलाल टुडू के आवासीय कार्यालय के पास लगा श्रमिक चौपाल का ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ देने के लिये उक्त शिविर लगाया गया। बताया कि पुनः 27 /28 को शिविर लगाया जायेगा। मौके पर दतोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकाश बोर्ड धनबाद के क्षेत्रीय निर्देशक चंद्रशेखर वैध्य, ग्रामीण स्वयंसेवकदय गोबिंद रवानी व प्रमिला देवी, झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रतिलाल टुडू व शिविर में काफी संख्या में आदिवासी महिला पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

जरीडीह प्रखंड में बिचौलियों के माध्यम से हो रही है गैरमजरूआ जमीन की लूट : भागीरथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : माकपा बोकारो जिला सचिव भागीरथ शर्मा के नेतृत्व में 12 जून को चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल जरीडीह प्रखंड के बांध डीह पंचायत अंतर्गत महुआ टांड पहुंचा। ग्रामीणों ने प्रतिनिधिमंडल को इस पंचायत के जन समस्याओ के बारे में जानकारी दी। बताया कि प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्र तथा पशु चिकित्सालय की व्यवस्था बिल्कुल लचर है। स्वास्थ्य केंद्र का चिकित्सा सबंधित सारा कार्य भार डाक्टर के स्थान पर कंम्पाऊडर सभालते है। प्रसव केस में काफी हेरा फेरी है। स्वास्थ्य केंद्र द्वारा प्रसव सबंधित प्रायः केस को निजी चिकित्सालयों से सांठ- गांठ के कारण कथित तौर पर निजी अस्पताल भेज दिया जाता है। जहां आम गरीब जनता अपने को वहां की खर्च वहन करने में असमर्थ होती है। वहीं पशु चिकित्सालय द्वारा भारी लापरवही बरती जाती है। पशुओं के लिए उपलब्ध दवा का वितरण में न केवल भारी गडबडी की जाती है बल्कि दवाईयां किसानो के बीच नहीं बांटकर कथित तौर पर फेंक दी जाती है। बिजली और पानी की व्यवस्था भी काफी लचर है। हर आधे घंटे पर बीजली कटती है वहीं पानी वितरण महिना में दो दिन भी नहीं हो पाता है। उपस्थित लोगों ने बताया कि बिचौलिओं को मोहरा बनाकर बिल्डर फर्जी कागजात बनवाकर गैरमजरूआ जमीन की लूटकर रहे हैं।वैसे किसान जिनकी कई पीढियां जिस गैरमजरूआ जमीन पर खेती करते आ रहे थे और जिनके पास कागजात है उनका नाम हटाकर बिल्डर अपने नाम हेरा - फेरी कर जमीन हथिया ले रहे हैं ।

जलापूर्ति, सड़क और नाली निर्माण की मांग को लेकर चैंबर ने क्षेत्रीय उपनिदेशक से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महासचिव राजकुमार जायसवाल ने झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार बालीडीह बोकारो के क्षेत्रीय उपनिदेशक श्री मनोज कुमार से कार्यालय में मुलाकात किया। बोकारो ओद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न समस्यायों के संबंध विस्तार से चर्चा की गई।अध्यक्ष मनोज चौधरी ने मांग किया कि बालीडीह क्षेत्र के ओद्योगिक इकाईयों को जल्द से जल्द जलापूर्ति योजना के द्वारा जल आपूर्ति आरम्भ किया जाना चाहिए।महासचिव राजकुमार जायसवाल ने मांग किया कि वर्षों से नाली निर्माण का कार्य लंबित हैं उसे यथाशीघ्र पूरा कराया जाना चाहिए। सड़कों की हालत बहुत ही खराब है। उसे प्राथमिकता के आधार पर निर्माण किया जाना चाहिए। स्ट्रीट लाइट को जल्द से जल्द दुरुस्त करवाया जाए। क्षेत्रीय उपनिदेशक मनोज कुमार ने सभी बातों को गंभीरता पूर्वक सुना तथा बताया कि जल आपूर्ति का कार्य पुनः आरम्भ किया गया है। इसे जल्द से जल्द पूरा कराया जायेगा ।सड़क एवम नाली निर्माण कार्य के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। सड़क निर्माण के साथ ही स्ट्रीट लाइट का भी निर्माण किया जाएगा। मौके पर मनोज जय,मुकेश कुमार जायसवाल उपस्थित थे।

डीडीसी ने दिया सर्वे कराकर सभी तालाबों की सूची 15 दिनों में उपलब्ध कराने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार अमृत सरोवर फेस 2 को लेकर आज उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले में जीर्णोद्धार की जरूरत वाले सभी तालाब के सर्वेक्षण को लेकर बैठक की। उप विकास आयुक्त ने कहा कि उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जल संरक्षण के लिए जिला में सरकारी भूमि पर निर्मित सामुदायिक सिंचाई तालाबों का जिर्णोद्धार, मत्स्य पालन के लिए सामुदायिक तालाबों का निर्माण व पुराने तालाबों के जिर्णोद्धार की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने सर्वे कराकर प्रखंड, पंचायत, ग्राम एवं तालाब का नाम, तालाब का प्रकार, रकवा, खाता एवं प्लॉट नंबर सहित तालाब का जियो टैग फोटो 15 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी तथा तकनिकी विशेषज्ञ जलछाजन को दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीआरडीए के प्रोजेक्ट ऑफिसर मनोज कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को जरीडीह प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित पीएम श्री उच्च विद्यालय बहादुरपुर में सहयोगिनी द्वारा विश्व बाल मजदूरी निषेध दिवस मनाया गया । एक्सेस टू जस्टिस, जिला बाल संरक्षण इकाई , बोकारो के सहयोग से सहयोगिनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक सन्नी कुमार ने बताया कि बाल श्रम निषेध दिवस हमें याद दिलाता है , कि बच्चों का सही स्थान स्कूल है, न कि कामकाजी स्थल। हमें बाल श्रम की गंभीर समस्या को उजागर कर इसे खत्म करने के लिए प्रयास करने के लिए एक साथ मिलकर काम करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2002 में इस दिवस की शुरूआत की और तब से यह हर साल 12 जून को मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गरीबी और अन्य सामाजिक-आर्थिक कारक बच्चों को बाल श्रम में धकेलने का कारण बनते हैं। बाल श्रम बच्चों के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि बाल श्रम को खत्म करने के लिए जागरूकता फैलाना, कानूनी उपाय करना, और बच्चों के लिए शिक्षा और अन्य सामाजिक सेवाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। सहयोगिनी के समन्वयक रवि कुमार रायबने बताया कि बच्चे को हानिकारक कारखाना ,खान ,तंबाकू फैक्ट्री, माइंस , गैरेज आदि में काम नहीं कराया जा सकता है । सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिले में बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह तथा बाल यौन हिंसा के खिलाफ सघन रूप से कार्य किया जा रहा है। नीति आयोग भारत सरकार के अमर कुमार ने बाल मजदूरी अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगर कोई बच्चे से बाल श्रम का कार्य कराया जाता है, तो जिला टास्क फोर्स तथा चाइल्ड लाइन 1098 में कॉल करके बच्चे को बाल मजदूरी से बचा सकते हैं। बाल संरक्षण इकाई से अजीत कुमार राणा ने बाल मजदूरी से रेस्क्यू हुए बच्चे का पुनर्वास तथा सरकार की विशेष लालन पालन योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा बच्चे को सरकार की योजना से जोड़ने का कार्य जिला बाल कल्याण समिति तथा जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा किया जा रहा है। यूनिसेफ के बप्पा मंडल ने फोस्टर केयर के बारे में विशेष जानकारी देते हुए कहा कि वैसे लोग जिसके बच्चे नहीं हैं, वह बाल कल्याण समिति में आवेदन देकर एक साल साल के लिए गोद ले सकते हैं। पालन पोषण के लिए यह योजना 2021 में लागू हुई है। कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण ने कानूनी प्रावधान का विस्तार पूर्वक जानकारी दिया । कार्यक्रम में सहयोगिनी के अनिल कुमार, सूर्यमणि देवी, सोनी कुमारी, विकास कुमार, सूर्यमणि देवी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशीष रंजन, सहायक शिक्षक रंजू देवी आदि उपस्थिति थी।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम के खिलाफ उठी आवाज, चला जागरूकता अभियान

पश्चिम सिंहभूम : विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के तत्वावधान में जिले में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम झालसा के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष डीएलएसए चाईबासा, मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस क्रम में स्थानीय सीएम स्कॉट बालिका उच्च विद्यालय और एमएल रुंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नई दिल्ली) और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (रांची) के सहयोग से बच्चों के हित में विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एक सभ्य समाज के लिए कलंक है और इसे समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। चौधरी ने बताया कि प्राधिकार की ओर से अधिकार मित्रों के माध्यम से वंचित और संकटग्रस्त बच्चों को जरूरी विधिक सहायता दी जा रही है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाल श्रम के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित बाल आयोग के सदस्य विकास दोदराजका ने बच्चों के अधिकारों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस वर्ष का उद्देश्य है बाल श्रम को समाप्त करने के लिए मजबूत निवारक तंत्र, सख्त प्रवर्तन और व्यापक जन-भागीदारी की आवाज को बुलंद करना।

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संचालित Be Fres नामक सेनेटरी पैड निर्माण इकाई से महिला बन रही है स्वालंबी

कतरास (धनबाद) : सिजुआ भेलाटांड मलकेरा में टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संचालित Be Fresh नामक सेनेटरी पैड निर्माण इकाई से महिला स्वालंबी बन रही है,बुधवार को प्रगति महिला उद्यम की अध्यक्ष भावनी देवी ने इस संबंद में संक्षिप्त जानकारी दी, उन्होंने बताया कि महिलाओं द्वारा निर्माण, पैकेजिंग, भंडारण तक की पूरी पैड निर्माण प्रक्रिया को दिखाया। वर्तमान में इस इकाई में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की कुल तीस महिलाएं कार्यरत महिला स्वयं मार्केटिंग रणनीतियों का विस्तार कर रही हैं। साथ ही बताया कि यह कॉटन पैड की तुलना में अधिक समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है।मौके पर राजेश कुमार, यूनिट लीड, टाटा स्टील फाउंडेशन, जामाडोबा; सिंथिया मर्सी एंथनी, मैनेजर (कॉपोर्रेट कम्युनिकेशंस), टाटा स्टील राहुल यादव, परियोजना समन्वयक (जेंडर एंड कम्युनिटी एंटरप्राइज), टाटा स्टील फाउंडेशन तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोयला चोरो ने हाइवा चालक सहित तीन युवकों को दौड़ा दौड़ा कर पिटा, सड़क जाम

धनबाद : मधुबन थाना क्षेत्र के फुलारीटांड़ रेलवे फाटक के समीप हाइवा वाहन को ओभर टेक को लेकर बाइक से कोयला का गिर जाने से जमकर हंगामा हुआ। बाइक सवार युवक अपने अन्य साथियों के साथ हाइवा वाहन चालक व उपचालक को जमकर पिटाई कर दी। हाइवा चालक बोकारो जिले के पिंडराजोड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। जो बाघमारा की ओर से बालू खाली कर वापस लौट रहा था। बाद में पिटाई के विरोध में फुलारीटांड़ सड़क पर आड़े तिरछा खड़ा कर नावागढ़-डुमरा मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर दिया।सूचना के बाद मौके पर पहुँची मधुबन पुलिस ने तीनो जख्मियों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। परंतु भुक्तभोगी हाइवा चालक दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए थे।इस दौरान लोगो व पुलिस के बीच हल्की नोकझोक भी हुई।बाद में लगभग डेढ़ घंटे सड़क जाम रहने के बाद पुलिस के द्वारा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के आश्वासन पर सड़क जाम हटाया गया।

27,28 जून को एफ एस एन एल मे होगा ऐतिहासिक हड़ताल : बि के चौधरी

बोकारो : एफ एस एन एल बोकारो युनिट मे युनियन चुनाव सहित अन्य मांगो को 27,28 दिसम्बर 2018 को होने बाले एतिहासिक हड़ताल को लेकर 19/12/2018 को सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे बुलाये गये त्रिपक्षीय बार्ता हुई थी जिसमे एफ एस एन एल कोपोर्रेट कार्यालय से महाप्रबंधक कार्मिक, प्रशासन एवं बिधि पंकज त्यागी ,तत्कालीन युनिट प्रमुख एस के पोलू एवं बोकारो युनिट के कार्मिक प्रशासन प्रमुख ए के सिंह तथा जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी,संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, युनिट मे युनियन के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, सुभाष चंद्र बाउरी,हरेंद्र पासवान, घनश्याम सिंह इत्यादि एवं सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय सुधांशु ताई के बीच लिखित समझोता हुआ कि अन्य मांगो के साथ साथ युनियन का गुप्त मतदान के द्वारा अन्य युनिटों के तरह बोकारो युनिट मे भी चुनाव करबा लिया जायगा लेकिन आज जून 2025 जाने को है लेकिन अभी तक चुनाव को लगातार टाल-मटोल किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है ।यह बाते आज एफ एस एन एल युनिट मे प्रबंधन को मांगपत्र सह 27,28 जून के लिए हडताल का नोटिस प्रदर्शन के माध्यम से सोंपते जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने अपने सम्बोधन मे कहा उन्होने आगे कहा कि 2007 मे हुए वेज रिविजन का 9% का भुगतान को रोक कर रखा गया है।

एक नजर

प्लस टू उच्च विद्यालय सरिया में गुरु गोष्ठी का हुआ आयोजन

सरिया (गिरिडीह) : प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रंजीत कुमार के नेतृत्व में प्लस टू उच्च विद्यालय सरिया में गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका संचालन प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अक्षय कुमार प्रभाकरण ने किया। इस गोष्ठी में उपस्थित शिक्षकों को प्रोग्रेशन कार्य पर जोर देते हुए सभी कक्षा के छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में नामांकन पर जोड़ दिया गया। वही 2025-26 में अष्टम वर्ग के छात्रों के लिए साइकिल डिमांड, शिक्षक व छात्रों का बायोमेट्रिक उपस्थिति, एसएमएस,एफएलएन से संबंधित चर्चाएं की गई। प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप 2025 26 की सूची उपलब्ध कराने बच्चों का बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवाने पर जोड़ दी गई 30 5 2025 तक क्लास वर्क कैटिगरी वाइज इनरोलमेंट की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया। शिक्षकों को आवश्यक रूप से पाठ योजना के अनुरूप कक्षा में अध्यापन कार्य करने को कहा गया इस मौके पर वीरेंद्र कुमार पांडेय, विजय दास संजय सिंह डोमन प्रसाद रमेश प्रसाद वर्मा नरेश मंडल बोधी प्रसाद आदि उपस्थित थे।

प्रथम झारखंड स्टेट ट्राइबल सांसद वुशु प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची स्थित जे.डी. बिरला सभागार में आयोजित प्रथम झारखंड स्टेट ट्राइबल सांसद वुशु प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आज गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। 5 जून से प्रारंभ होकर 12 जून तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने भाग लेते हुए वुशु खेल की विभिन्न तकनीकी बारीकियों का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं झारखंड वुशु एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि, ह्लराज्य के आदिवासी युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है उन्हें उचित मंच, संसाधन एवं कुशल मार्गदर्शन प्रदान करने की। इस शिविर का आयोजन इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया गया है, जिससे ये खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि सरला बिरला विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस शिविर में अनुभवी प्रशिक्षकों एवं सीनियर पदक विजेता खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभागियों को उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनकी खेल-क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में एल. प्रदीप कुमार सिंह एवं दीपक गोप ने विशेष योगदान दिया। शिविर में झारखंड राज्य के सीनियर पदक विजेता खिलाड़ियों की उपस्थिति ने भी प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक समृद्ध किया। समापन समारोह में डॉ. कविता सिंह, मिथिलेश साहू, शैलेन्द्र दुबे, उदय साहू एवं एल. प्रदीप कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के संचालन का दायित्व शिवेन्द्र दुबे एवं हरिदास कुमार ने सफलतापूर्वक निभाया।

संपूर्ण आयोजन में सरला बिरला विश्वविद्यालय का सक्रिय सहयोग उल्लेखनीय रहा।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने बोड़ाम में आदिम जनजाति समुदायों से की बातचीत

पटमदा : जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने गुरुवार को बोड़ाम प्रखंड मुख्यालय स्थित जिला परिषद भवन (डाक बंगला) पहुंचकर पहाड़िया, सबर और खड़िया आदिम जनजातीय समुदायों से संवाद किया। यह संवाद विशेष रूप से वन धन विकास केंद्र के तहत शहद प्रोसेसिंग से जुड़ी महिलाओं व परिवारों की आजीविका एवं विपणन की चुनौतियों पर केंद्रित रहा । इस दौरान उन्होने आदिम जनजाति परिवारों के सरकारी योजनाओं से आच्छादन आदि की जानकारी ली। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि शहद प्रोसेसिंग का काम कर रही महिलाओं से मिलना और उनकी गतिविधियों को नजदीक से समझना मेरा मुख्य उद्देश्य था। हमें देखना है कि कैसे इन प्रयासों को और बढ़ाया जाए, कैसे इनके उत्पादों के लिए नए और स्थायी बाजार तलाशे जाएं ताकि इनकी मेहनत का सही मूल्य मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि बोड़ाम जैसे क्षेत्रों में केवल शहद नहीं, बल्कि अन्य आजीविका आधारित कार्य भी हो रहे हैं। जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि इन कार्यों को संस्थागत रूप से गति दी जाए ताकि समुदाय की प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हो सके। हम यह भी देख रहे हैं कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अगर कहीं कोई कमी है, तो उसे कैसे दूर किया जाए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जब कोई नया उत्पाद बनता है तो शुरूआती दौर में सबसे बड़ी चुनौती बाजार की होती है।

झारखंड पशुपालन एआई कर्मचारी संघ ने विभागीय सचिव से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड पशुपालन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय मिश्रा के दिशानिर्देश में संघ आगे बढ़ चढ़ रहा हैं। उसी की एक कड़ी में नई एक और सफलता जुड़ी है। जिसमे सबसे पहले हमारी पीडी सम्बन्धी समस्या का समाधान किया गया । जिसमे सह निदेशक ने स्पष्ट कहा यदि भारत सरकार पैसा नहीं देती है । तो वह पैसा झारखण्ड सरकार देगी। सभी एआई कर्मचारीयों का अपना तकनिकी रजिस्ट्रेशन होगा एवं जिसका रजिस्ट्रेशन नहीं होगा उसके ऊपर कानूनी कार्यवाही होगी। जिससे हमलोगो को कार्य करने मे परेशानी कम होगी। छह हजार मासिक मानदेय कि संचिका के समाधान पर मंत्री के विवभागीय निजी सचिव ने मौनसून सत्र के कैबिनेट से पास करवाने कि बात कही। बकाया इंसेंटिव के विषय में सीईओ जे एस आई ए से चर्चा हुई और राशि जल्द सभी जिला को निर्गत करने की बात कही। बाकी सभी राशि जैसे मोबाइल रिचार्ज, इंसोरेंस, टैगिंग इत्यादि कि राशि अतिशीघ्र निर्गत करने को कहा गया। कुछ एक साथियों का मासिक मानदेय नहीं आ पाया था । इसपर भी सीईओ ने आस्वस्त किया जल्द इसपर भी अमल किया किया जायेगा। रिफ्रेश ट्रेनिंग जल्दी करवाने का आग्रह किया गया। इस सफलता में सभी जिला के सम्मानित पदाधिकारियों एवं सम्मानित सदस्यो का संघ के प्रति सहभागिता और समर्पण है इसी प्रकार से अपने जिला और प्रखंड कि इकाई को मजबूत बनाते हुए हमारा सहयोग करते रहे। संगठन आगे बढ़ेगा। अंत में रांची में उपस्थित शिष्टमण्डल के सम्मानित सदस्यों में सुबोध बड़ाइक -प्रदेश कोषाध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता किशोर तिवारी, किन्दा रानी एक्का, फूलकुमारी, अजय पाण्डेय, दिलेश्वर प्रसाद शामिल हुए।

बेसाहारा बच्चों को साहारा देना ही डालसा का उद्देश्य : रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली नालसा के तत्वावधान में झालसा के निर्देश में माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मार्गदर्शन में सिल्ली ब्लॉक में साथी अभियान के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के निराश्रित बच्चों के चिन्हितीकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चतूर्थ कड़ी में सिल्ली, सोनाहातू व राहे प्रखंड को शामिल कर सिल्ली ब्लॉक में एकदिवसीय कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर, सिल्ली बीडीओ अनिल कुमार, सोनाहातू बीडीओ खगेश कुमार, राहे बीडीओ अशोक कुमार, सिल्ली मुखिया सीमा कुमारी, लुपुंग मुखिया शर्मिला कुमारी, बांसारूली मुखिया लालू उरांव, लोवादाग मुखिया लाल सिंह मुंडा, पीएलवी ब्रजेश कुमार महतो, शंकर महतो, बंशीधर महतो, सुनील कुमार, बंशीधर घटवार, कौशल्या देवी, पंकज कुमार, राजकुमार, भोलानाथ महतो, रामेश्वर महतो, कुमारी इंदूबाला, आशिकराज महतो, रूपनारायण मुंडा, पुष्पा कुमारी, जगदीश महतो, संजय भोगता, दिलखुश महतो, सुरेश चंद्र महतो समेत अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा सचिव रावि कुमार भास्कर ने कहा कि शहर, गांवों, कस्बो, मुहल्लों में निराश्रित बच्चों का पहचान कर उन्हें समाज के मुख्यधारा से जोड़ना है।

आजसू ने पावर ग्रीड में जड़ा ताला, मिलेगी सरिया और बिरनी को निर्बाध विद्युत आपूर्ति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : सरिया प्रखंड आजसू पार्टी की ओर से गुरुवार को पूर्व घोषित तालाबंदी कार्यक्रम सैकड़ों कार्यकताओं द्वारा पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह-जिप सदस्य नूप कुमार पांडेय के नेतृत्व में की गई। पार्टी की दो सूत्री मांगों को लेकर यह आंदोलन की गई थी, जिसमें सरिया और बिरनी प्रखंड को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना स्थानीय योग्य युवकों को रोजगार सुनिश्चित करना। सैकड़ों पार्टी कार्यकताओं द्वारा जुलूस की शक्ल में सरिया पावर ग्रीड पहुंचे और पावर ग्रीड की मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया जिसके बाद बिजली विभाग के तरफ से अनुमंडल पदाधिकारी ने वार्ता की पहल की परन्तु कार्यकताओं ने नहीं मानी, उसके बाद अधीक्षण अभियंता का दूरभाष पर वार्ता हुई, परन्तु कार्यकताओं ने नहीं मानी। अंत में अधीक्षण अभियंता के आदेश पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा लिखित एकरार के बाद तालाबंदी कार्यक्रम को समाप्त किया गया। इस दौरान पावर ग्रीड से सभी तरह की विद्युत आपूर्ति को काट दिया गया था। मौके स्त्र१ डॉ प्रमोद कुमार, डिंपल शर्मा, अनिल रजक, रोहित मंडल, अमित गुप्ता, मन्नू मोदी, सुभाष विश्वकर्मा, चंद्रशेखर यादव, सुभाष वर्मा, उमेश पासवान, भगवान सिंह, दिलीप रावणी, पप्पू साहू, मिलन यादव, बबलू यादव, अमर पासवान, रंजीत साव, संजय दास, दिनेश मोदी, कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र यादव ने की।

चैनगडा प्रखंड निर्माण लेकर आयोजन हुआ आमसभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनगड़ा : चैनगड़ा को प्रखंड बनाने की मांग को लेकर बुद्धिजीवी मंच बरकाकाना क्षेत्र द्वारा गुरुवार क चैनगडा दुर्गा मंदिर परिसर में एक विशाल आमसभा का आयोजन किया गया। आम सभा की अध्यक्षता मंच के सचिव डॉ शाहनवाज खान ने किया और संचालन मुख्य संयोजक पंचदेव करमाली ने किया जबकि संचालन मंडली में सोनी महतो, किरण पटेल, राजेश बेदिया, इमामुल हक और गिरीशंकर महतो शामिल थे। मंच के उपाध्यक्ष सोनी महतो ने विषय परिचय कराया। उद्घाटन भाषण मंच के प्रवक्ता नेपाल विश्वकर्मा ने किया मुख्य वक्ता के रूप में मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली ने सभा को संबोधित करते हुए चंगड़ा को अलग प्रखंड बनाने कि मांग की । अन्य वक्ताओं में बिद्धू महतो, राजेंद्र बेदिया, प्रदीप शर्मा, रिजवान अली, गणेश तुरी, मो सुल्तान, सहदेव राम, कयूम अंसारी, प्रदीप चक्रवर्ती, झलकू बेदिया, सुरेंद्र महतो, सतपाल वोहरा, महावीर राम, उमेश महतो ने विचार रखा। वक्ताओं ने कहा कि चैनगडा को प्रखण्ड बनाने की मांग एक चीर परिचित, उचित और संवैधानिक है। रामगढ़ वर्तमान में पतरातु प्रखण्ड में कुल 46 पंचायत है। प्रखंड मुख्यालय में कार्य भार अधिक होने वजह से कार्यों के निष्पादन करने में विलम्ब होता है जिसका सीधा प्रभाव आम जन मानस पर पड़ता है। पतरातु के पूर्वी क्षेत्र की अंतिम छोर के गांव की दूरी 45 किलोमीटर है। इस क्षेत्र की जनता को प्रखण्ड मुख्यालय जाने आने में पूरा दिन भर का समय लग जाता है और पैसे भी अधिक खर्च होते हैं। एक बार में काम नहीं होने की वजह लोगों को बार बार जाना पड़ता है। इस क्षेत्र के लोग अंततः परेशान होकर प्रखंड या अंचल कार्यालय जाना छोड़ देते हैं जिसके कारण बहुत सारे आवश्यक कार्यों, योजनाओं और सरकारी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। चूंकि चैनगडा प्रखंड बनने की सारी अहताएं पूरी करता है इसलिए चैनगडा को प्रखंड बनाया जाना चाहिए। आमसभा के माध्यम से बुद्धिजीवी मंच और पतरातु पूर्वी क्षेत्र की जनता द्वारा झारखंड सरकार से अनुरोध किया गया है कि रामगढ़ जिले के पतरातु प्रखण्ड के पूर्वी क्षेत्र को काट कर चैनगड़ा को अलग प्रखण्ड जल्द से जल्द बनाया जाए।

जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : गुरुवार को उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित ब्लॉक बी उनके कार्यालय कक्ष में जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों से सम्बंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम उप विकास आयुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्यों के संबंध में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों से आधार सीडिंग, मोबाइल नंबर सीडिंग व पीवीटीजी डाकिया योजना, खाद्यान्न आपूर्ति के संबंध में प्रखंडवार रूप से जानकारी लिए साथ ही उप विकास आयुक्त ने खाद्यान्न की रखरखाव के लिए बनाए गए गोदाम के संबंध में भी जानकारी ली इस दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कई दिशा निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने उप विकास आयुक्त को जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा चल रही योजनाओं के संबंध में किए जा रहे कार्यों का विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को विशेष कैंप आयोजित कर राशन कार्ड के लाभुकों का लंबित आधार सीडिंग एवं मोबाइल सीडिंग को कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने हरा राशन कार्ड, मुख्यमंत्री मंत्री दाल-भात योजना आदि की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए।

विमान हादसे में मारे गये लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

खूंटी : मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में गुरुवार को अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गई। साथ ही घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को एअर इंडिया का यात्री विमान क्रैश हो गया। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद यह हादसा हुआ। प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे।

Directorate of Tourism
Govt. of Jharkhand
Department of Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs (Tourism Division)
MDI Building, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi-834004
Phone:(0651)2400493, email:dirjharkhandtourism@gmail.com, Web:https://tourism.jharkhand.gov.in

RFP No:- 661 / Dated:-12/06/2025

Notice Inviting Tender for Request for Proposal (RFP) for Procurement, Design, Fabrication Supply & Operation of Solar Houseboat at Patratu Dam, Ramgarh, Jharkhand

The Directorate of Tourism (DoT), Govt. of Jharkhand intends to Selection of An Agency for Procurement, Design, Fabrication Supply & Operation of Solar Houseboat at Patratu Dam, Ramgarh, Jharkhand state therefore, invites interested agencies to submit their Bids.

*Interested agencies may download the document from **12.06.2025, 17:00 Hours** onwards from the Department of Tourism website:-www.tourism.jharkhand.gov.in/ and submit their Applications. The Bid Due Date is **04.07.2025 at 14:00 hours**. A Bid opening Conference will be held on **04.07.2025 at 14:30 hours** at the office of Directorate of Tourism, MDI Building, 2nd floor, HEC Campus, Dhurwa, Ranchi 04. Tel Phone: 0651-2400493, e-mail: dirjharkhandtourism@gmail.com.*

All subsequent notifications, changes and amendments will be posted only on the website www.tourism.jharkhand.gov.in

DoT reserves the right to cancel this invitation and/or invite fresh Bid with or without amendments to this invitation, without liability or any obligation for such invitation and without assigning any reason.

Sd/-
Director,
Tourism

PR 354853 (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
प्राचार्य का कार्यालय :– औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडॉड, लातेहार – 822119
Email – itimahuadanr@gmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडॉड़, लातेहार में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन संबंधित सूचना

1- झारखण्ड सरकार के NCVT के अन्तर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडॉड़, लातेहार में निदेशालय, पत्रांक–639 दिनांक–07.05.2025 एवं पत्रांक– 801, दिनांक 10.06.2025 के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में निम्न व्यवसायों के लिए योग्य पुरूष एवं महिला आवेदकों से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी / स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हों और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हों, वे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in Admission Tab) में आवेदन पत्र भरने के उपरांत नामांकन प्रक्रिया में भाग लेकर इच्छुक अभ्यर्थी अपना नामांकन करा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत विवरणी निम्नवत है–

2. ट्रेड एवं न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:–

क्र0 सं0	ट्रेड	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता
01	इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मै0 डीजल	10वीं पास / मैट्रिक पास
02	वेल्डर	8वीं पास / मैट्रिक पास

3. आयु अर्हता:–
(क) 01.07.2025 को आवेदक की न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष के बीच होना चाहिए।
(ख) विभाग जनों / सैन्य कारवाई में दिवंगत सैन्य कर्मियों के विधवाओं के मामले में अधिकतम आयु 45 वर्ष तक है।

4. महत्वपूर्ण तिथियां:–

क्र0 सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	22.06.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक
	Time Schedule for 1st Round of online Counseling	
01	Choice filling of Trade (s) and ITI (s)	03.07.2025 से 10.07.2025
02	Seat Allotment and Downloading provisional seat Allotment letter	13.07.2025 से 30.07.2025
03	Admission in the concerned ITI	13.07.2025 से 30.07.2025
	Time Schedule for 2nd Round of online Counseling	
01	Choice filling of Trade (s) and ITI (s)	02.08.2025 से 09.08.2025
02	Seat Allotment and Downloading provisional seat Allotment letter	13.08.2025 से 23.08.2025
03	Admission in the concerned ITI	13.08.2025 23.08.2025

5. राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडॉड़, लातेहार में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का आधार से लिंक मोबाइल नम्बर, ई–मेल ID एवं आधार नम्बर अनिवार्य है तथा सत्र की समाप्ति तक उनमें परिवर्तन करने की अनुमति किसी भी परिस्थिति में नहीं होगी।
6. SLC/CLC/TC एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नामांकन के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
7. अन्य किसी भी प्रकार की विस्तृत विवरणी उपरोक्त ऑनलाईन वेबसाईट (https://iti.jharkhand.gov.in) में देखा जा सकता है।

प्रभारी प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडॉड, लातेहार

PR 354772 Labour Employment and Traning(25-26)#D

कार्यालय :-जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, लातेहार
Email ID: damoayush.ltr@gmail.com / Mobile No.: 8544210874 / 7061783292

विज्ञापन सं– 01 / 2025 (आयुष) लातेहार, दिनांक:–

पारिश्रमिक के आधारपर योग प्रशिक्षक के चयन हेतु विज्ञापन

जिला आयुष समिति, लातेहार के अधीनस्थ जिलान्तर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) हेतु योग प्रशिक्षक पारिश्रमिक के आधार पर रखा जाना है। योग प्रशिक्षक के चयन हेतु दिनांक– 18.06.2025 एवं दिनांक– 19.06.2025 को पूर्वाहन् 11:00 बजे से Walk in interview सिविल सर्जन कार्यालय लातेहार के सभागार से निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थियो से निम्नलिखित शर्तो के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन जिला संयुक्त औषधालय, लातेहार के कार्यालय में जमा लिया जाऐगा जिसकी अंतिम तिथि दिनांक– 17.06.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक निर्धारित है जिसके पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्र0सं0	पद का नाम	पद की संख्या	आवश्यक आर्हता	पारिश्रमिक
01	योग प्रशिक्षक (पुरूष / महिला) (आयुष औषधालय के लिए)	पुरूष – 21 महिला– 21	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से योग के विषय परडिग्री / डिप्लोमा / सर्टिफिकेट बोर्ड प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से सर्टिफाईड योग प्रशिक्षक।	पुरूष –32 सत्र के लिए एवं महिला– 20 सत्र के लिए। योग प्रशिक्षक को प्रत्येक सत्र के लिए रू0 250/– प्रति योग सत्र देय होगा।
02	योग प्रशिक्षक (पुरूष) (HSC (आयुष) के लिए)	पुरूष – 12	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से योग के विषय परडिग्री / डिप्लोमा / सर्टिफिकेट बोर्ड प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से सर्टिफाईड योग प्रशिक्षक।	पुरूष –10 सत्र के लिए। योग प्रशिक्षक को प्रत्येक सत्र के लिए रू0 250/–प्रति योग सत्र देय होगा।

योग प्रशिक्षक के Walk in interview की प्रखण्डवार सूची।

दिनांक 18.06.2025	दिनांक 19.06.2025
प्रखण्ड– लातेहार / चन्दवा / बालूमाथ एवं बारियातू।	प्रखण्ड– मनिका / बरवाडीह / गारू एवं महुआडीह।

सामान्य जानकारी एवं निर्देश–:

1. भर्ती के किसी भी चरण में यदि यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी पात्रता मापदण्ड / तथ्यो को पूरा नहीं करता है तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।
2. साक्षात्कार हेतु विहित प्रपत्र में वांछित सभी तरह के प्रमाण पत्रों को स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटो (02 प्रति) के साथ उपस्थिति होना सुनिश्चित करेंगे साथ ही प्रमाण पत्रो की मूल प्रति अभ्यर्थी अपने पास रखेगें।
3. साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवारो को कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
4. उम्मीदवारो को सूचित किया जाता है कि भविष्य में नियमितिकरण के संबंध में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जायेगा अगर भविश्य में नियमितिकरण का दावा करते है तो वैसी स्थिति में उनकी उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।
5. कार्य दिवस / योग सत्र आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा दिये गये मार्गदर्शिका के अनुरुप होगा।
6. प्रत्येक योग सत्र दो घण्टे का होगा।
7. प्रत्येक आयुष्मान आरोगय मंदिर (आयुष) में योग / अन्य Wellness activities का कम से कम दस सत्र निर्धारित तिथि एवं समय पर किया जायेगा।
8. स्थानीय प्रमाणपत्र (Residential certificate) योग प्रशिक्षक एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक को सर्वप्रथम प्राथमिकता दी जायेगी। जिस हेतु स्थानीय प्रमाणपत्र एवं अनुभव प्रमाणपत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। लातेहार जिला के स्थानीय अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी
9. यदि एक से अधिक अभ्यर्थी चयनित होतो वैसी स्थिति में योग कोर्स के प्राप्तांक दूसरा निर्णयक कारक होगा।
10. आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के अधिकतम 08 किलोमीटर की परिधि में रहनेवाले योग प्रशिक्षक को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।
11. योग / अन्य Wellness activities के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निर्धारित जगह चिन्हित की जायेगी अगर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जगह उपलब्ध नहीं होगी वैसी स्थिति में निकटतम स्कूल, पंचायत भवन, आँगनबाड़ी केन्द्र या अन्य सरकारी सामुदायिक भवन में योग / अन्य Wellness activities के लिए जगह निर्धारित किया जा सकता है।
12. इस विज्ञापन में टंकक अशुद्रि / संशोधन तथा Walk in interview तिथि में आवश्यकतानुसार परिर्वतन करने का अधिकार जिला चयन समिति के पास सुरक्षित होगा।

नोट– योग प्रशिक्षक के चयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश एवं आवेदनफार्म https://Latehar.nic.in/ पर देखा जा सकता है।

जिला आयुष चिकित्सापदाधिकारी, लातेहार
सिविल सर्जन लातेहार

PR 354806 Health Med Edu and Family Welfare (25-26)_D

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। चाणक्यनीति में कहा गया है कि 'शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते' शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता 'क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो' इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिए। 'सिद्धांत एवं नीतियां' नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था। फिर 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति इसी का उदाहरण है। जहां कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे, वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए।रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस -400, सुखोई -30, इजराइल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाइल को मार गिराने में हम सक्षम हुए हैं।11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं।

पिता-पुत्र का रिश्ता बेजोड़ एवं विलक्षण है

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में पिता का स्थान आकाश से भी ऊंचा माना गया है, पिता की धर्म है, पिता ही संबल है, पिता ही ताकत है। पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज हैं। इसके महत्व को दशार्ने और पिता व पिता तुल्य व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी फादर्स डे मनाया जाता है। इस साल 15 जून 2025 को भारत समेत विश्वभर में यह दिवस मनाया जायेगा। फादर्स डे 2025 का आधिकारिक थीम 'पिताः लचीलेपन का पोषण और भविष्य को आकार देना' है। यह थीम हमारे जीवन में पिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो बच्चों में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग दिन और विविध परंपराओं के कारण उत्साह एवं उमंग से यह दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जिसे अपने पिता के सम्मान के लिए मनाया जाता है, साथ ही पितृत्व, पैतृक बंधन और समाज में पिताओं के प्रभाव को भी याद किया जाता है। हिन्दू परंपरा के मुताबिक पितृ दिवस भाद्रपद महीने की सर्वपितृ अमावस्या के दिन होता है। पिता एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं हो सकती। पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी पिता की जगह नहीं ले सकता। पिता अपनी संतान के सच्चे शुभचिंतक एवं हितैषी होते हैं।

सोनेरा डोड जब नन्ही-सी थी, तभी उनकी मां का देहांत हो गया। पिता विलियम स्मार्ट ने सोनेरो के जीवन में मां की कमी नहीं महसूस होने दी और उसे मां का भी प्यार दिया। एक दिन यूं ही सोनेरा के दिल में ख्याल आया कि आखिर एक दिन पिता के नाम क्यों नहीं हो सकता? इस तरह 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे मनाया गया। 1924 में अमेरिकी राष्ट्रपति कैल्विन कोली ने फादर्स डे पर अपनी सहमति दी। फिर 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जानसन ने जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाने की आधिकारिक घोषणा की। पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये इस दिवस की विशेष उपयोगिता एवं प्रासंगिकता है। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। पिता नीम के पेड़ जैसा होता है उसके पत्ते भले ही कड़वे होते हैं पर वो छाया ठंडी देता है। पिता और बच्चों का रिश्ता इस दुनिया में सबसे अलग होता

है। एक तरफ पिता बच्चों को डांटते हैं, तो दूसरी तरह बच्चों से बेहद प्रेम भी करते हैं। पिता अपने बेटे की चोट पर व्यथित तो होता है लेकिन उसे बेटे के सामने मजबूत बने रहना है। ताकि बेटा उसे देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो।

भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे ग्रन्थों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। इनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। और अगर हमने इनकी सेवा पूरे मन से की तो भगवान स्वयं कच्चे धागे से बंधे भक्त के पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। उन्हीं पिता के सम्मान में पितृ दिवस मनाया जाता है। आधुनिक समाज में पिता-पुत्र के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

हर पिता अपने पुत्र की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करता है। वरुण जल का देवता होता है। जैसे जल वस्त्र आदि के मैल को दूर करता है, वैसे ही पिता पुत्र की मानसिक कलुषता को दूर कर सद्संस्कारों का बीजारोपण करता है एवं उसके व्यक्तित्व को नव्य और स्वच्छ रूप प्रदान करता है। चन्द्रमा सबको शांति और अह्लाद प्रदान करता है, वैसे ही पिता की प्रेरणाएं पुत्र को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही पिता शिव शंकर की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। पय का अर्थ है-दूध। जैसे माता का दूध पुष्टि प्रदान करता है, वैसे ही पिता पुत्र के आत्मिक बल को पुष्ट करते हैं। मेरे लिये मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूपजी गर्ग देवतुल्य एवं गहन आध्यात्मिक-धार्मिक जीवट वाले व्यक्तित्व थे। उनकी जैसी सादगी, उनकी जैसी सरलता, उनकी जैसा समर्पण, उनकी जैसी धार्मिकता, उनकी जैसी पारिवारिक नेतृत्वशीलता और उनकी जैसी संवेदनशीलता को जीना दुर्लभ है। उन्होंने परिवार एवं समाज को समृद्धशाली और शक्तिशाली बनाने की दृष्टि से उल्लेखनीय कार्य किया। मेरे लिये तो वे आज भी दिव्य ऊर्जा के केन्द्र हैं। मेरे पिता मेरे आदर्श हैं, मेरे पिता संघर्ष की आंधियों में हौंसलों की उड़ान रहे तो आत्मविश्वास की दीवार रहे।

पिता आंसुओं और मुस्कान का एक समुच्चय है, जो बेटे के दुख में रोता तो सुख में हंसता है। उसे आसमान छूता देख अपने को कद्दावर मानता है तो राह भटकते देख अपनी किस्मत की बुरी लकीरों को कोसता है। पिता गंगोत्री की वह बूंद है जो गंगा सागर तक एक-एक तट, एक-एक घाट को पवित्र करने के लिए धोता रहता है। पिता वह आग है जो घड़े को पकाता है, लेकिन जलाता नहीं जरा भी। वह ऐसी चिंगारी है जो जरूरत के वक्त बेटे को शोले में तब्दील करता है। वह ऐसा सूरज है, जो सुबह पक्षियों के कलरव के साथ धरती पर हलचल शुरू करता है, दोपहर में तपता है और शाम को धीरे से चांद को लिए रास्ता छोड़ देता है। पिता वह पूनम का चांद है जो बच्चे के बचपने में रहता है, तो धीरे-धीरे घटता हुआ क्रमशः अमावस का हो जाता है। पिता समंदर के जैसा भी है, जिसकी सतह पर असंख्य लहरें खेलती हैं, तो जिसकी गहराई में खामोशी ही खामोशी है। वह चखने में भले खारा लगे, लेकिन जब बारिश बन खेतों में आता है तो मीठे से मीठा हो जाता है। बचपन में चॉकलेट, खिलौने दिलाने से लेकर युवावर्ग तक बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक संतान की सभी माँगों को पिता ही पूरा करते रहते हैं लेकिन एक समय ऐसा आता है जब भागदौड़ भरी इस जिंदगी में बच्चों के पास अपने पिता के लिए समय नहीं मिल पाता है। इसी को ध्यान में रखकर पितृ दिवस मनाने की परंपरा का आरम्भ हुआ।

रिश्तों के एटीएम को संभालें, 'यूजर एग्रीमेंट' करने से बचें

प्रियंका सौरभ

पिछली सदी में साइकिल की घंटी, सांझ की चौपाल, या आंगन का पीपल रिश्तों की धड़कन होते थे। किसी के दरवाजे पर दो बार दस्तक हुई तो मतलब साफ था-चाय पकाओ, गपशप होने वाली है। आज दरवाजा कम बजता है, मोबाइल ज्यादा। और मोबाइल भी कई बार हाथ में नहीं, डाइनिंग-टेबल पर पड़ा-पड़ा नोटिफिकेशन बजाता है-पैकेज आउट फॉर डिलीवरी। दिनचर्या इतनी ऐप आधारित हो चुकी है कि रिश्ते भी 'ऑन-डिमांड सर्विस' जैसा अनुभव देने लगे हैं। मां की याद तब आती है जब 'घर का अचार' खत्म हो जाता है। भाई का नाम फोन-बुक में तभी स्क्रॉल होता है जब ट्रैफिक चालान से बचने के लिए किसी कनेक्शन की दरकार होती है। कॉलेज के दोस्त तभी याद करते हैं जब उन्हें किसी रेफरेंस लेटर की जरूरत पड़ती है। 'दिलचस्पी' दिनदहाड़े गायब हो चुकी है और हमने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी नहीं लिखवाई। क्यों? क्योंकि हमारी जरूरतें आराम से पूरी हो रही हैं। जरूरत और दिलचस्पी का द्वंद्वः जरूरतें बुरी नहीं हैं। पानी, भोजन, सुरक्षा, सहा-ये सब एक बुनियादी सच हैं। समस्या तब शुरू होती है जब रिश्तों की पूरी परिभाषा ही जरूरतों पर टिक जाती है। प्यार, आदर, साझा हंसी, बेवजह के मेसेज-ये सब 'लग्जरी आइटम' माने जाने लगते हैं। नतीजा? संवाद सूखता है, उत्साह मुरझाता है और रिश्ता अपनी ही परछाई ढोता रहता है। 'कैसे हो?' का जवाब कभी ताल्लुक निभाने के लिए था। अब यह कस्टमर केयर का स्क्रिप्टेड सवाल लगने लगा है। जोश, जिज्ञासा और जुड़ाव, एक-एक कर सिकुड़ते हैं। दिलचस्पी 'टॉप-अप' की तरह है। समय-समय पर न हो तो सर्विस बंद। पर हम अकसर इसे भूल जाते हैं और फिर हैरान होते हैं कि नेटवर्क क्यों नहीं आ रहा।

आधुनिकता के चार कड़वे साइड इफैक्ट

1. डिजिटल पुल और भावनात्मक दूरीः हम 'कनेक्टेड' तो हैं, पर 'क्लोज' नहीं। विडंबना देखिए-वीडियो कॉल करते हुए भी हम आंखों में आंखें नहीं देख पाते, क्योंकि कैमरा स्क्रीन के ठीक बगल में है।

2. समय का निवेश नहीं, आउटसोर्सिंग का चलनः जन्मदिन का केक, सालगिरह का तोहफा, मां के घुटनों की दवाई-सब 'ऐप सेकेंड' में बुक। व्यक्तिगत श्रम की जगह 'प्रोसेस्ड केयर' ने ली। एहसान की जगह 'ट्रैकिंग आईडी'।

3. पर्सनल ब्रांडिंग का दबावः रिश्ते अब फोटो-फ्रेंडडली मूमेंट्स का कोलाज हैं। रियल्टी में खिलखिलाना कम है। सोशल फीड में 'स्टोरी' ज्यादा। हर मुलाकात एक संभावित पोस्ट है। और पोस्ट अगर लाइक्स न बटोर पाए तो दोस्ती में भी 'कंटेंट वैल्यू' कम आंकी जाती है।

4. उपभोक्तावाद का शोरः मार्केटिंग ने हमें सिखाया-संतुष्टि खरीदी जा सकती है। नतीजे में हम रिश्तों से भी रिटर्न-ऑन-इन्वेस्टमेंट चाहने लगे। मैंने दादी को विंटर जैकेट भेजा, बदले में वीडियो कॉल तक नहीं मिला। जैसे स्नेह कोई कैश-बैक स्कीम हो।

सामाजिक विज्ञान का नजरियाः समाजशास्त्री बताते हैं कि औद्योगिक क्रांति से लेकर आईटी क्रांति तक, जैसे-जैसे जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली की ओर झुकाव बढ़ा, जिम्मेदारियां तो विभाजित हुईं पर समर्थन-तंत्र भी बिखर गया। अब हर इकाई अपने दम पर दौड़ रही है, इसलिए 'सर्वाइवल' सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया। दिलचस्पी एक 'नॉन-एसेंशियल अमीनीटी' की तरह अंत में जुड़ती है, अगर शक्ति और समय बचा तो।

मानसिक स्वास्थ्य पर असरः इनसान सामाजिक प्राणी है-यह पाठ चौथी कक्षा की किताब में पढ़ाया जाता है, पर समाज की चकाचौंध में अकसर छूट जाता है कि भावनात्मक संबंध ऑक्सीजन की तरह हैं। लगातार 'फंक्शनल' रिश्ते (जहां बस लेन-देन हो) अवसाद, तनाव, और एकाकीपन को बढ़ाते हैं। शेयर मार्केट की भाषा में कहें तो 'इमोशनल डिविडेंड' गिरने लगता है और इनसानी 'निवेशक' धीरे-धीरे हताश हो जाता है।

दिलचस्पी बचाने के पांच मंत्र

1. शारीरिक उपस्थिति का महत्वः महीने में कम से कम एक बार बिना किसी 'कारण' के मिलने जाएँ। डिजिटल मीटिंग काम की है, पर 'अनप्लग्ड' साथ का स्वाद कुछ और होता है।

2. अनुस्मृति के छोटे बीजः पुराने फोटो प्रिंट कर फ्रिज पर लगाएं। हाथ से लिखे नोट्स भेजें। टच का स्पर्श हमेशा स्क्रीन से गहरा होता है।

3. साझा अनुष्ठान बनाएंः चाहे रविवार की दोपहर की खिचड़ी हो या हर पूर्णिमा पर चांद देखना-एक छोटा सा रिवाज रिश्ते का 'रिकरिंग डिपॉजिट' है।

4. डिजिटल डिटॉक्स स्लॉटः परिवार या मित्रों के साथ जब भी हों, फोन 'डिस्टर्ब' मोड में डालें। पांच में से दो मुलाकातें भी यूं हो जाएं तो दिलचस्पी की बैटरी चार्ज रहती है।

5. शब्दों का आदान-प्रदानः 'मुझे तुम पर गर्व है', 'आज तुम्हारी याद आई', 'चलो पुराने गाने सुनते हैं'-ऐसे वाक्य बोनस अंक देते हैं। जरूरी नहीं कि मुद्दा भारी-भरकम हो। भावना हल्की सी हो पर ईमानदार हो।

कल्पना कीजिए, अगर रिश्तों का भी 'यूजर एग्रीमेंट' होता तो कैसा होता

'मैं, फलां-फलां, यह स्वीकार करता/करती हूं कि मैं केवल अपने लाभ के लिए आपको याद करूंगा/करूंगी। अगर दिलचस्पी घटे तो 'अनसब्स्क्राइब' कर दूंगा/दूंगी और शिकायत करने पर 'कस्टमर सपोर्ट' को ई-मेल करूंगा।' यह सुनने में हास्यास्पद लग सकता है, पर व्यवहार में हम अकसर यही तो करते हैं! गुस्सा आए तो ब्लॉक, हंसी आए तो रिएक्ट, उदासी आए तो म्यूट। मानो इंसान नहीं, नोटिफिकेशन हों-जिन्हें स्लाइड करके साइड में किया जा सकता है।

निष्कर्ष : दिलचस्पी का पुनर्जन्म

रिश्ते खेत की मिट्टी जैसे हैं। नीम-हफ्ते पानी दो, बीज पनपेंगे। वरना बंजर हो जाएगा। आधुनिकता की रफ्तार हमें मुट्ठी-भर समय भी नहीं छोड़ती, पर उसी मुट्ठी में कुछ बीजों की जरूरत है। जब अगली बार आप किसी प्रियजन का नंबर डायल करें, सोचें-क्या मैं केवल मदद मांगने जा रहा हूं? अगर हां, तो कॉल से पहले एक साधारण-सा मैसेज भी जोड़ दें-'तुम्हारी हंसी याद आई।' हो सकता है, ऐसे छोटे-से वाक्य से बातचीत का पूरा मौसम बदल जाए।

रिश्तों की दुकान में दिलचस्पी कीमत नहीं, करंसी है। अगर वही खत्म हो जाए, तो सबसे महंगा तोहफा भी खरीदा नहीं जा सकता। इसलिए आज ही थोड़ा निवेश दिलचस्पी में कीजिए। रिटर्न यकीनन इनफ्लेशन-प्रूफ मिलेगा-प्यार, अपनापन, और वह अनकही मुस्कान जो स्क्रीन के इस पार भी महसूस होती है। कहावत है-'घर वही जहां दिल हो।' पर दिल वहीं टिकता है जहां दिलचस्पी हो। जरूरतें पूरी कीजिए, पर उन्हें प्यार का 'ब्रेक-अप लेटर' बनने मत दीजिए। याद रखिए, रिश्तों का असली चार्जर दिलचस्पी ही है, वरना कनेक्शन 'नो-सर्विस' दिखाने लगता है और तब, डेटा पैक बढ़ाकर भी सिग्नल नहीं आएगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7459

★★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7458 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

फुर्सत से पढ़ने के लिए हैं फुर्सत के झोंके

अशोक मधुप

बिजनौर की अनिदीपक (श्रीमती) लंबे समय से कविताएं लिख रही हैं किंतु उनकी कविताओं का संग्रह फुर्सत के झोंके हाल ही में बाजार में आया।यह संकलन कवयित्री की रचनाओं की गंभीरता बताता है।कवयित्री का नया नाम होने के कारण शुरूआत में भले ही नया सा लगे किंतु पुस्तक पढ़नी शुरू करने के बाद उसे समाप्त करके ही रूका जाता है। कविताओं में दर्शन के साथ-साथ कवयित्री का गंभीर चिंतन भी पता चलता है।

21 जनवरी 1971 को जनपद के एतिहासिक महत्व के नांगल सोती में जन्मी अनीदीपम एम.ए हैं। क्रेटिव राइटिंग में उन्होंने डिप्लोमा किया। पुस्तक की भूमिका में वह कहती हैं कि पांच -भाई बहिनों में वह सबसे छोटी है। सबसे बड़े भाई बाहर पढ़ते थे। वे बचपन से ही मेरे पढ़ने के लिए चंपक, लोटपोट आदि बाल पत्रिकाएं लाते थे। इससे स्कूली शिक्षा के साथ साथ साहित्य में भी रूचि होने लगी। 16 कमरों वाले बड़े घर में बड़ी- बड़ी दो अलमारियों में मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, रविन्द्र नाथ टैगौर के उपन्यास, महात्मा गांधी की आत्मकथा और चंद्रकांता आदि बहुमूल्य पुस्तकें सुंदर नगीनों की तरह रखी रहतीं।समय- समय पर आंगन में चटाई बिछाकर पुस्तकों को धूप लगाई जाती तो पढ़ा भी जाता। छोटे भाई की लग्न और प्रोत्साहन से हाई स्कूल में मेरे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के बाद हमारे घर में टेलीविजन आया। रामायण, विक्रम बेताल , चंद्रकांता आदि हिंदी के सीरियल हम देखते-सुनते। दीदी के साथ मैंने शुद्ध हिंदी में बातचीत करनी शुरू की। छोटो- छोटे विचार कविताओं का रूप लेने लगे।लेखन चलता रहा। इसी बीच शादी हो गई। परिवार में दो बच्चे हुए।बच्चों के बड़े होने पर युवावस्था का शौक फिर शुरू हो गया। अनिदीपम की रचनांए नजीबाबाद के आकाशवाणी केंद्र से निरंतर लम्बे समय से प्रसारित होती और विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में छपती रही हैं। ग्रहणी होकर भी वह लगातार लिख रही हैं। इनकी पहली पुस्तक फुर्सत है छपी। फुर्सत के झोंके इनकी दूसरी पुस्तक है।इनकी कविताओं में दर्शन के साथ समाज को अलग से समझने की सोच है।

शुभ दीपावली शीर्षक की कविता में अनीदीपम कहती हैं-स्याह ओढ़नी पर /टँके सिलवरी सितारे... दीप मालाओं से सजा/ सुनहरी गोटा /सौंदर्य बोध कराता है,/ अमावस्या का। गोरी चिट्टी पूर्णिमा /ईर्ष्यावश खिसियाकर /लुप्त हो जाती है /जब- /झिलमिलाती अद्भुत त्योहारों से लदी/ मावस/ बाँटती फिरती है- /रंग-बिरंगी खुशियाँ... मीठी उमंगें.../सकारात्मकता के दिये/सुगंधित आशाओं की धूप/खिलखिलाहट भरे सुंदर सपने.../अपने सखा कार्तिक के संग।

दिवाली निर्धनों की में कवयित्री कहती हैं कि चाँद का भी /अपहरण होता है/ अमावस्या के हाथों। फिरौती में/ माँगे जाते हैं.. /रोशनी के साधन लाखों । राशन में मिला/ महीने भर का घासलेट, दिया सलाई, मोमबाती, झरोखों से आती/ टिमटिमाहट/ महलों की/ प्रतिवर्ष/ निर्धनता/दिवाली के दियों में/ कलेजा जलाती।

हर माह नामक कविता में वह कहती हैं कि अमावस्या भी,/ करती है श्रृंगार /पूर्णिमा के दिन../.चाँद की बड़ी-सी बिंदी /लगाती है- साँवले चेहरे पर /जरा-सी हँसी पर/ चमक जाते हैं /बत्तीसों तारे।निकल पड़ती है- /जुगनुओं को साथ लेकर/ संघर्षरत, /हताश पीड़ितों के बीच,/ हौसला बढ़ाने हर माह ! निगरानी नामक कविता कहती हैं -अटारी की पहरेदारी करते /दरवाजे हैं बंद/ छत बेचारी ऊँघ-ऊँघ /रोशनदानों से झाँका करती। तपती धूप, ज्येष्ठ दोपहरी/ पेड़ों की छाया भाँय-भाँय /खूँखार हो उठती। 'समय का कुछ पता नहीं' यही सोच खूँसर बुढ़िया /लाठी टेक-टेक/ आमों के पेड़ों की निगरानी करती /झोपड़-पट्टी के निर्धन बच्चे /ललचाई लार लिए /कभी लदे पेड़... कभी खाली पेट... और कभी तंबू में/ बाट जोहती माँ /चंद सिक्कों को तरसती! विश्वासघात में वह कहती हैं कि प्यार के टुकड़े, विश्वास की फाँक /जब कर दी उसने /खूब रोया कोमल मन/ खत्म हो चुकी थी जिजीविषा। शिथिल देह, छटपटाती आत्मा को, कोई न दे सका ढाड़स। दिन से रात/ रात से दिन/ वार से महीने /न जाने कब गुजर गए /वर्ष शातिर चोरों की तरह!

समुद्र खुश है में कवयित्री कहती हैं-देखा है मैंने... राह के चिराग को/ अँधेरा करते। देखा है मैंने...पूर्णिमा की रात को /अमावस्या करते। देखा है...सूरज की पहली किरण को /कोख फूँकते। देखा है...अनाथ बनते चाँद को।

समुद्र खुश है/ बाँटता है जल /माँ के आँसुओं को/ निःशुल्क!

कविताओं और पुस्तक को सुंदर रूप देने में प्रकाशक ने भी बड़ी मेहनत की है। पुस्तक के साथ-साथ पुस्तक कविता को भी शानदार क्लेवर दिया है।

दैनिक पंचांग

13 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.26 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.39 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.56 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.18 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.33 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.41 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मीन	00.13 बजे से
		मेष	01.44 बजे से
		वृष	03.24 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 164 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 15.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 23.21 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.48 बजे को समाप्त।
करण गर 15.19 बजे तदनन्तर वणिज 03.36 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872374
जूलियन दिन 2460839.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जहरीले पदार्थ खाने से एक व्यक्ति हुआ मूर्छित

साहिबगंज/राजमहल: थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के बर्मन कॉलोनी में बुधवार को देर रात एक व्यक्ति ने जहरीले पदार्थ खा लेने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शंकर महतो 40 वर्षीय रात के वक्त घर में रखा जहरीले पदार्थ को गलती से खा लेने से मूर्छित हो गया। परिजनों को पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई थी।

पड़ोसी के साथ आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो युवक घायल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के खासपुर गांव में गुरुवार को आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सकरुद्दीन शेख का पुत्र रविउल शेख 20 वर्षीय व तौकील शेख 21 वर्षीय का पड़ोसी के साथ आपसी विवाद में कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया जिसमें दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

बाल श्रम के खिलाफ उठी आवाज, चला जागरूकता अभियान

पश्चिम सिंहभूम: विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के तत्वावधान में जिले में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम झालसा के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष डीएलएसए चाईबासा, मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस क्रम में स्थानीय सीएम स्कॉट बालिका उच्च विद्यालय और एमएल रुंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नई दिल्ली) और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (रांची) के सहयोग से बच्चों के हित में विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एक सभ्य समाज के लिए कलंक है और इसे समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। चौधरी ने बताया कि प्राधिकार की ओर से अधिकार मित्रों के माध्यम से वंचित और संकटग्रस्त बच्चों को जरूरी विधिक सहायता दी जा रही है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाल श्रम के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई।
कार्यक्रम में उपस्थित बाल आयोग के सदस्य विकास दोदराजका ने बच्चों के अधिकारों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस वर्ष का उद्देश्य है बाल श्रम को समाप्त करने के लिए मजबूत निवारक तंत्र, सख्त प्रवर्तन और व्यापक जन-भागीदारी की आवाज को बुलंद करना। उन्होंने बताया कि आज भी हर 10 में से एक बच्चा बाल श्रम का शिकार है, जो एक गंभीर मानवाधिकार संकट है। कार्यक्रम का संचालन पीएलवी हेमराज निषाद ने किया। इस अवसर पर पीएलवी रेणु देवी, संजय निषाद, अरुण विश्वकर्मा, उदय शंकर, संगीता, सूरज कुमार ठाकुर सहित विद्यालय के प्रधान शिक्षक शिल्पा गुप्ता, मनीष कुमार सहित अन-?य उपस्थित रहे।

जस्टिस अवेयरनेस फॉर ग्रासरूट्स इंफॉर्मेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार की महत्वाकांक्षी योजना, नालसा स्कीम, 2025 के तहत एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना और स्थानीय स्व-शासन संस्थानों जैसे पंचायतों, नगर पंचायतों, और अन्य सामुदायिक संस्थानों के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता को जन-जन तक पहुंचाना है। जिसमें जिला जागृति इकाई और तालुका जागृति इकाई का गठन किया गया। इन इकाइयों में पैनल वकील, पैरा-लीगल वॉलंटियर्स, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि, जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नामित अधिकारी, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि और स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हैं। कार्यक्रम में नालसा जागृति योजना के उद्देश्यों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विधिक जागरूकता का संस्थागतकरण स्थानीय स्व-शासन संस्थानों के साथ सहयोग कर विधिक जानकारी का प्रसार करना। सार्वजनिक स्थानों का उपयोगः पंचायत भवनों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, और नगर पंचायतों जैसे स्थानों को विधिक जागरूकता के केंद्र के रूप में उपयोग करना, न्याय तक पहुंच। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 12 के तहत पात्र लाभार्थियों को समय पर निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना, जागरूकता का अधिकतम प्रसार विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों तक विधिक अधिकारों और उपायों की जानकारी पहुंचाना, सूचित नागरिकता का निर्माण नागरिकों को उनके अधिकारों, उपायों, और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करना, जो संविधान के अनुच्छेद 51ए के तहत मूल कर्तव्यों के अनुरूप है।

संध्या 6 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी क्रशर को बिजली मुहैया नही करायें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में गुरुवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने बिजली विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले में निर्बाध रूप से बिजली सेवा बहाल करने का निर्देश विद्युत कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने जिले में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 6 बजे शाम से 6 बजे सुबह तक किसी भी क्रशर को बिजली मुहैया नहीं करायें जाएं। हर हाल में शहरी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से बिजली मिले ये सुनिश्चित की जाएं।अनावश्यक रूप से लोड शेडिंग एवं मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती न करें अन्यथा संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने खराब पड़े ट्रांसफार्मर व जर्जर बिजली के पोल व तारों को बदलने का निर्देश दिया। कहा कि बिजली आज की बुनियादी आवश्यकता है और इसे गांव-गांव तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता है। इस दौरान उपायुक्त ने आरडीएसएस के तहत चल रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। जिले में चिन्हित वैसे टोला व बस्ती जहां बिजली नहीं है। वहां बिजली सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया।

एकलव्य विद्यालय समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया के संचालन हेतु जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों, प्रधानाध्यापकों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में नए सत्र में प्रारंभ होने वाले एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया का संचालन से संबंधित बिन्दुवार समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया के प्रधानाध्यापक से आवासीय विद्यालय संचालन हेतु विद्यालय से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली एवं निर्देश दिया कि विद्यालय के समस्याओं को विद्यालय के लेटर पैड में लिखकर परियोजना निदेशक, आईटीडीए, पाकुड़ को समर्पित करें। साथ ही साथ दोनों प्रधानाध्यापकों को आवासन विद्यालय में ही रहने एवं दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विद्युत हेतु नया कनेक्शन करवाने के लिए निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा संबंधित प्रखंड के प्रभारी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विद्यालय का निरीक्षण करते हुए संबंधित समस्याओं का निरीक्षण प्रतिवेदन परियोजना निदेशक, आईटीडीए, पाकुड़ को समर्पित करेंगे।

तालझारी में निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पुस्तकालय स्थल का डीसी ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती ने तालझारी प्रखंड मुख्यालय परिसर में निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने कार्य की गुणवत्ता, प्रगति तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया। उन्होंने कहा परिसर में जिर्णोद्धार भवन एरिया में पेपर्स ब्लॉक, पीसीसी चेयर वह ब्लॉक परिसर में हरित ग्राम योजना फलदार पौधा लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात डीसी ने नव-निर्मित किए जा रहे हैं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का भी निरीक्षण किया तथा कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने सभी तकनीकी मानकों के अनुसार निर्माण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी हेमंत सती ने राजकीय बुनियादी विद्यालय, तालझारी परिसर में प्रस्तावित पुस्तकालय भवन के लिए चयनित स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि पुस्तकालय का निर्माण बच्चों की सुविधा और पठन-पाठन के अनुकूल वातावरण को ध्यान में रखते हुए किया जाए। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। डीसी ने सभी उपस्थित अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा गंजेटिक डॉल्फिन का हुआ सर्वे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा साहिबगंज जिले के गंगा नदी क्षेत्र में डॉल्फिन सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वे साहिबगंज से लेकर राजमहल, उधवा होते हुए बंगाल सीमा तक किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा डॉल्फिन के संरक्षण एवं उनके प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाना था।यह सर्वेक्षण वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के निर्देश पर संपन्न हुआ। इसके साथ ही डॉल्फिन प्रहरियों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्हें यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार गंगा डॉल्फिन की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहयोग कर सकते हैं। भारतीय वन्यजिव संस्थान की प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. शोवना रॉय ने जानकारी दी कि साहिबगंज क्षेत्र में गंगा डॉल्फिन की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि इसका प्रमुख कारण यहाँ की गंगा नदी का स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त होना है, जो डॉल्फिन के लिए एक अनुकूल आवास प्रदान करता है। इसके साथ ही यह समृद्ध जैव विविधता के लिए भी अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। साहिबगंज गंगा नदी क्षेत्र न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह डॉल्फिन जैसे संकटग्रस्त जलजीवों के लिए भी एक सुरक्षित आश्रय स्थल बनता जा रहा है। इस सर्वेक्षण के दौरान वॉल के सदस्य विजय प्रताप सिंह, हिया शर्मा, सुरोजीत मैत्रा, राजीव साहा और सागर साहनी उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार और अंकित झा, डॉल्फिन प्रहरियों में संतोष यादव समेत अन्य सभी उपस्थित रहे।

विस्थापितों का अधीक्षण अभियंता कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन

विस्थापित मुक्ति वाहिनी ने अधीक्षण अभियंता को 11 सूत्री मांगपत्र सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल बांध के विस्थापितों ने विस्थापित मुक्ति वाहिनी के अगुवाई में झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा विस्थापितों के हक छीनने के प्रयास का विरोध किया है। गुरुवार को विस्थापितों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया एवं अधीक्षण अभियंता के नाम सुवर्णरेखा बांध अंचल चांडिल के प्राक्कलन पदाधिकारी कुमार हिमालय को 11 सूत्री मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में लिखा है कि पर्यटन विभाग द्वारा निकाले गए नौकायान निविदा को रद्द किया जाय और पर्यटन विभाग के सारे योजना को विस्थापित समिति के माध्यम से कराया जाय, चांडिल जलाशय में जिला मत्स्य पदाधिकारी का मनमानी रोका जाय, विस्थापितों के लंबित पुनर्वास दायित्व को तीव्र गति से पूरा किया जाए, डिमना में नये बस स्टैंड में दुकान बनाकर विस्थापित परिवार को दिया जाय, विस्थापित परिवारों के लिए आवासीय विद्यालय खोला जाय आदि। विस्थापित मुक्ति वाहिनी के श्यामल मार्डी, नारायण गोप, पंचानन महतो, वासुदेव आदित्यदेव, कार्तिक चंद्र महतो, भजन गोप, ईश्वर चंद्र गोप, जोसना प्रमाणिक, कंचन देवी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बरहरवा नप के द्वारा बड़ा जोला नाला की कराई जा रही सफाई

बरहरवा: नगर पंचायत क्षेत्र से गुजरने वाला सबसे बड़ा जोला नाला अतिक्रमण का शिकार हो गया है। नगर पंचायत के गंदे पानी एवं बारिश के बाद पहाड़ों से उतरने वाले पानी की निकासी के लिए सालों पहले बने इस नाले को कई जगह अतिक्रमण कर लेने से अब लोगों को काफी परेशानी हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार बरहरवा व आसपास के क्षेत्र में जब भी लगातार बारिश होती है तो पहाड़ी पानी नीचे उतरकर नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न मोहल्ले में फैल जाता है। बड़ा नाला जोला अतिक्रमण का शिकार हो जाने से नगर पंचायत का गंदा पानी भी नहीं निकल पा रहा है। बारिश का पानी शहर के निचले इलाके में जमा हो जाता है। इससे कई लोगों के घरों में पानी घुस जाता है। सूत्रों का कहना है कि बरहरवा नगर पंचायत से गुजरने वाला यह नाल मौजा रतनपुर व बरहरवा में कुल रकवा 6 बीघा 19 कट्ठा 14 दूर में फैला है। दावा किया जा रहा है की जमाबंदी नंबर 441 के तहत दाग नंबर 1196 औसत चौड़ाई 34 फीट एवं लंबाई 191 फीट 3 इंच, दाग नंबर 1195 में औसत चौड़ाई 25 फीट 7 इंच लंबाई 749 फीट, दाग नंबर 1282 में औसत चौड़ाई 23 फीट 3 इंच एवं लंबाई 369 फीट 6 इंच है, दाग नंबर 1275 में औसत चौड़ाई 45 फीट 8 इंच लंबाई 79 फीट 2 इंच, दाग नंबर 1275 में औसत चौड़ाई 24 फीट 7 इंच व लंबाई 135 फीट 3 इंच, जमाबंदी नंबर 78 दाग नंबर 236 व 237 में औसत चौड़ाई 39 फीट 5 इंच व लंबाई 1499 फिट है। हालांकि जोला नाला इस समय कहीं 3 फीट 5 फीट तो कहीं 10 फीट में सिकुड़ गया है। इससे नाले की गहराई बिल्कुल कम हो गई है। एक सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि जोला नाला को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर प्रशासन व अंचल प्रशासन को अभियान चलाना होगा, तभी नगर पंचायत का गंदा पानी जोला नाला के माध्यम से निकल पाएगा। नगर पंचायत कार्यपालिका पदाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि बारिश को लेकर नगर पंचायत क्षेत्र के नाली एवं जोला नाला को साफ सफाई की जा रही है।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टॉफ एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर जताया आक्रोश

साहेबगंज : गुरुवार को साहेबगंज के धरती पर पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक सौमित्रा विश्वास का आगमन हुआ। जहां मालदा डिविजन के अंतर्गत साहेबगंज क्रू बुकिंग लॉबी के लोको रनिंग स्टॉफ के द्वारा हैंड ब्रेक लगाने व रिलीज करने के बारे में बातचीत किए।पीसीओएम साहब के द्वारा कोई साफ संकेत नहीं मिलने से कर्मचारियों में आक्रोश बना हुआ है। कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि अब वर्क टू रूल कार्य किया जायेगा। वीएचएफ, सीयूजी फोन का इस्तेमाल शांटिंग के दौरान नहीं किया जायेगा। रेलवे बोर्ड के नियम का पालन करते हुए 09 घंटे में गाड़ी खड़ी की जायेगी। प्रशासन भी नियम से काम करवाये, किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निम्न कर्मचारी रोहित आनंद, बिनय कुमार, गोपाल कुमार, अमरजीत, रंजन, राजेश, विकाश, मनीष, रवि,अमित दिवाकर, मुकेश, गौतम, जीतेन्द्र, प्रभात, और अन्य समस्त रनिंग कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बाल मजदूरी से बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, बच्चों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी एवं बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों को बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध संवेदनशील बनाना तथा बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन सुनिश्चित करना है।

झारखंड विधानसभा के अवर सचिव जितेन्द्र कुमार का साहेबगंज आगमन

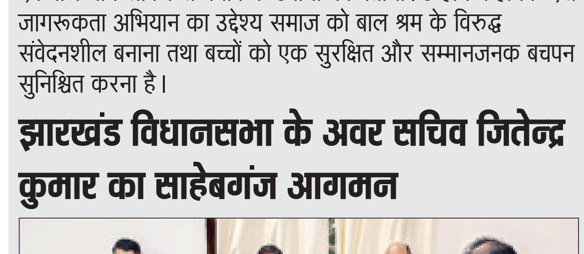

साहिबगंज: गुरुवार को साहेबगंज जिला में झारखंड विधानसभा के अवर सचिव जितेन्द्र कुमार का आगमन हुआ। उनके द्वारा परिसदन भवन के सभागार में जिला के सभी विभागों के योजनाओं/ 'कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन अंसारी उपस्थित रहे। विधायक ने जिले में चल रही योजनाओं की जमीनी स्थिति और जनहित से जुड़ी प्राथमिकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। बैठक में मुख्य रूप से जिला आपूर्ति विभाग, जिला भू अर्जन, भूमि सुधार, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, योजना कार्यालय, जिला पंचायती राज शाखा, जिला खेल विभाग, राज्य कर विभाग, जिला परिवहन, उत्पाद विभाग, उद्योग विभाग, नियोजन विभाग, कौशल विकास, अवर निबंधन, जिला उद्यान, गव्य विकास, जिला पशुपालन, पलाश, श्रम विभाग, नगर परिषद, मत्स्य विभाग आदि विभागों के कार्यों की विस्तृत रूप से समीक्षा किया गया।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन होगा 40 प्रतिशत सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एक रिपोर्ट के अनुसार ारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में आने वाले समय बड़ी गिरावट हो सकती है। भारत ने 2030 के अंत क 5 मिलियन टन की हरित हाइड्रोजन उत्पादन मता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में 40 प्रतिशत क गिरावट आने की संभावना है। इंस्टीट्यूट फॉर नर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की क रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य रखने वाले भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कम हो सकती है। यह गिरावट सरकार के समर्थन से होगा। ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की औसत लागत धीरे-धीरे गिरकर 260 से 310 प्रति किलोग्राम के बीच आ सकती है, यानी लगभग 3 से 3.75 डॉलर प्रति किलोग्राम।

भारत हाइड्रोजन निर्माताओं को सस्ती अक्षय बिजली प्रदान करते आ रहा है, ओपन एक्सेस के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क माफ किया है

सरकार की नीतियों से लागत में बड़ी गिरावट की संभावना

और वितरण और ट्रांसमिशन शुल्क कम किया गया है। साथ ही, हाइड्रोजन के लिए जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रोलाइजर निर्माताओं के कुल सिस्टम लागत में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इलेक्ट्रोलाइजर एक ऐसा उपकरण है जो बिजली का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही हरित हाइड्रोजन योजना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश और परियोजना को बढ़ावा देने के लिए इसमें सुधार की जरूरत है। इसमें कहा गया कि भारत में हरित हाइड्रोजन मिशन को उद्योग जगत ने उत्साह के साथ अपनाया है। हालांकि, इस क्षेत्र में स्टार्टअप को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने और मांग को सुरक्षित करने की योजना को बेहतर बनाना होगा। अगर यह सफल रहा, तो यह कृषि, परिवहन और विनिर्माण सहित कई क्षेत्रों के लिए लाभ पहुंचाएगा। साथ ही, भारत के हरित हाइड्रोजन उद्योग को बनाने में मदद कर सकता है।

20 रुपए से कम का शेयर बना रॉकेट, निवेशकों पर बरसा रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। रतनइंडिया पावर लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी जारी है। बुधवार को बाजार खुलने के महज आधे घंटे के भीतर शेयर ने एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया। इससे पहले मंगलवार को भी यह स्टॉक करीब 18 प्रतिशत तक चढ़ा था। 20 रुपए से कम कीमत वाला यह स्टॉक इस सप्ताह अब तक 40 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है, जिससे निवेशक और विश्लेषक दोनों ही हैरान हैं। बुधवार सुबह शेयर ने तेजी के साथ शुरुआत की और 12.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 16.14 के स्तर तक पहुंच गया, जबकि मंगलवार को यह 14.32 पर बंद हुआ था। हालांकि इसके बाद मामूली मुनाफावसूली देखी गई और सुबह 10 बजे यह शेयर करीब 10.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15.78 पर ट्रेड कर रहा था। इस शेयर में इस हफ्ते यानी सोमवार से लेकर अब तक जबरदस्त तेजी आई है। शुक्रवार को यह 11.19 रुपए पर बंद हुआ था। आज यानी बुधवार को यह अधिकतम 16.14 रुपए पर पहुंच गया।

1 जुलाई से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट, रेल मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। इसके तहत अब केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक करवा सकेंगे। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, 01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

सरकार चलाएगी अभियान

बैंकों में जमा हजारों करोड़ रुपए लौटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकों में हजारों करोड़ रुपए वर्षों से लावारिस पड़े हैं, जिन पर किसी ने अब तक दावा नहीं किया है। अब केंद्र सरकार इस दिशा में गंभीर होती दिख रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी वित्तीय नियामकों और संबंधित विभागों को इन जमाओं के असली मालिकों की पहचान कर राशि लौटाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सही दावेदारों तक इन जमाओं को पहुंचाने और केवाईसी प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। इसके लिए सभी नियामकों को जिला स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने को कहा गया है।

सीतारमण ने कहा कि जिला स्तर पर विशेष शिविरों के जरिए इस राशि को सही मालिकों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह अभियान भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, बीमा नियामक, पेंशन नियामक, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और बैंकिंग संस्थाओं के सहयोग से चलाया जाएगा।

दावा न किए गए फंड्स में सिर्फ बैंकों की जमा राशि ही नहीं, बल्कि शेयर,

लाभांश, बीमा और पेंशन कोष की भी बड़ी हिस्सेदारी है।

आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 के अंत तक बैंकों में दावा न की गई जमा राशि 26 फीसदी बढ़कर 78,213 करोड़ रुपए हो गई थी। यह रकम वर्षों से निष्क्रिय खातों, मृतक खाताधारकों की राशि या अधूरी केवाईसी प्रक्रियाओं के कारण अटकी हुई है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों के लिए भी डिजिटल केवाईसी सुविधा को आसान बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में केवाईसी को लेकर एक समान मानदंड और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

यह चर्चा वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक में हुई, जिसकी अध्यक्षता खुद वित्त मंत्री सीतारमण ने की। बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास, सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे, वित्त सचिव अजय सेठ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार ने लिया ऐसा फैसला, स्वदेशी शराब वाले स्टॉक 18% तक उछले

विदेशी लिकर से जुड़े शेयर बुरी तरह गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के एक फैसले से शराब कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। दरअसल, राज्य सरकार ने भारत में निर्मित विदेशी शराब पर एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी कर दी है। इस वजह से शराब कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। हालांकि, कुछ शराब बनाने वाली कंपनियों के

शेयर तेजी से चढ़े हैं।

आज बाजार खुलने के बाद यूनाइटेड ब्रुवरीज, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स, रेडिको खेतान और यूनाइटेड स्पिरिट्स जैसी प्रमुख शराब कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। वहीं, सुला वाइनयार्ड्स, जीएम ब्रेवरीज और सोम डिस्टिलरीज के शेयरों में 11 प्रतिशत तक की तेजी आई है।

यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरों में 7.75न, एलाइड ब्लेंडर्स में 3.24न, तिलकनगर इंडस्ट्री में 2न और रेडिको खेतान में 1.90न की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है।

वहीं, सुला वाइनयार्ड्स के शेयर 8न, सोम डिस्टिलरीज के शेयर 3.25न और जीएम ब्रेवरीज के शेयर 18 न की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सुला वाइनयार्ड्स समेत अन्य शराब कंपनियों के शेयरों में तेजी के पीछे का कारण यह है कि निवेशकों को उम्मीद है कि महाराष्ट्र स्थित इन कंपनियों को नई पॉलिसी से महाराष्ट्र निर्मित शराब कैटेगरी से फायदा मिलेगा।

दरअसल, महाराष्ट्र कैबिनेट द्वारा मंजूर नई दरों के तहत, आईएमएफएल पर एक्साइज ड्यूटी विनिर्माण लागत के तीन गुना से बढ़कर 4.5 गुना हो जाएगा, जबकि देसी शराब पर यह शुल्क 180 रुपये से बढ़कर 205 रुपये प्रति प्रूफ लीटर हो जाएगा। सरकार के इस कदम से सालाना 14,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है।

सेंसेक्स 82,515 और निफ्टी 25,140 के पार बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार (11 जून) को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 123 अंक की तेजी के साथ 82,515 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी में 37 अंक की तेजी रही, ये 25,141 के स्तर पर क्लोज हुआ।

इससे पहले सेंसेक्स में 310 अंक से ज्यादा की तेजी रही, ये 82,712 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी में भी करीब 102 अंक की

तेजी रही, ये 25,206 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,385 पर और कोरिया का कोस्पी 0.66 प्रतिशत चढ़कर 2,890 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.84न गिरावट के साथ 24,366 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.53 प्रतिशत गिरकर 3,402 पर कारोबार कर रहा है। 10 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.25 प्रतिशत बढ़कर 42,866 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 0.63 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

एक अगस्त से यूपीआई के नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। युपीआई के नियमों में 1 अगस्त से बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जो देश के डिजिटल भुगतान सिस्टम की मजबूती और स्थिरता के लिए जरूरी हैं। यूपीआई पर हो रहे बढ़ते ट्रांजैक्शन के दबाव को कम करने और सिस्टम की गति बनाये रखने के लिए नई पाबंदियां

लागू की जा रही हैं। खासतौर पर बैंक बैलेंस चेकिंग, बैंक खातों की जानकारी देखने और ऑटोमेटिक सब्सक्रिप्शन पेमेंट पर सीमाएं लगाई जाएंगी। आइए जानते हैं इन बदलावों की पूरी जानकारी और उनका आपके डिजिटल लेनदेन पर क्या असर होगा।

देश में यूपीआई से हो रहे भारी ट्रांजैक्शन की वजह से सिस्टम पर लोड काफी बढ़ गया है। तकनीकी नियमों में बदलाव का उद्देश्य गैरजरूरी और बार-बार आने वाली एपीआई रिक्वेस्ट को कंट्रोल करना है ताकि यूपीआई सिस्टम की स्थिरता बनी रहे और यह तेजी से काम करता रहे।

अब आप दिन भर में केवल 50 बार अपने बैंक अकाउंट का बैलेंस यूपीआई ऐप के जरिए देख पाएंगे। इससे अत्यधिक बार बार बैलेंस चेक करने वाले उपयोगकर्ताओं पर कंट्रोल होगा।

अगर आपके मोबाइल नंबर से कई बैंक अकाउंट लिंक हैं, तो आप इन खातों की जानकारी एक दिन में सिर्फ 25 बार देख पाएंगे। इससे डेटा की अधिकता और सिस्टम पर अनावश्यक भार कम होगा।

नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, एसआईपी जैसी सेवाओं के लिए ऑटोमेटिक पेमेंट अब केवल नॉन पीक ऑवर्स में ही किए जा सकेंगे।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आम जनता तक पहुंचा दिया है। बिना बैंक डिटेल्स के, सिर्फ मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड से ट्रांजैक्शन करना अब आम बात हो गई है। लाखों छोटे व्यापारी, रिक्शा चालक और कंस्यूमर इससे जुड़े हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूपीआई सिस्टम के लगातार बढ़ते उपयोग को देखते हुए यह कदम जरूरी था ताकि प्लेटफॉर्म सुचारू रूप से काम करता रहे। नए नियमों से तकनीकी सुधार होगा, लेकिन यूजर एक्सपीरियंस पर भी खास ध्यान रखा गया है ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो।

भारतीय शेयर बाजार का जलवा, अमेरिका-चीन को पछाड़ा, बना दुनिया का टॉप ग्रोइंग शेयर मॉर्केट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए वैश्विक मंच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक भारत में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 5.33 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 21 प्रतिशत की यह वृद्धि दुनिया के टॉप 10 शेयर बाजारों में सबसे तेज़ है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने अमेरिका और चीन जैसे दिग्गज बाजारों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता शेयर बाजार बनने का गौरव हासिल किया है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। वैश्विक स्तर पर भारत के बाद जर्मनी के बाजार ने दूसरा सबसे बड़ा लाभ दर्ज किया, जिसका एमकैप इस अवधि के दौरान लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा। कनाडा में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि हांगकांग में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। जापान और यूनाइटेड किंगडम में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है, ने लगभग

2.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की, जबकि दूसरे सबसे बड़े चीन में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। फ्रांस और ताइवान ने क्रमशः 3.9 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की। मार्च महीने से लेकर अबतक भारत के बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी में 12.5 प्रतिशत और 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 26 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं। भारतीय शेयर बाजार में रैली लौटने से निवेशकों की बंपर कमाई हुई है। इससे निवेशक एक बार फिर गदगद हैं।

ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार से जुड़ी नीतियों को बेहतर बनाने पर हो रही चर्चा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा चल रही है क्योंकि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विभिन्न देशों के साथ व्यापार वार्ता के लिए विदेश दौरे पर गए वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि चूंकि ई-कॉमर्स क्षेत्र एक उभरता हुआ और तेजी से बदलता हुआ विषय है, इसलिए हमने कुछ विचार सामने रखे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे और अधिक समसामयिक बनाने के लिए हमें नीति में संशोधन करना होगा और इस पर चर्चा चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। वर्ष 2021 में खुदरा व्यापार को सुव्यवस्थित करने और खुदरा व्यापार क्षेत्र के सभी स्वरूपों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से विकास के लिए खुदरा व्यापार नीति का मसौदा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना, किफायती ऋण तक आसान और त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना व खुदरा व्यापार के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण को सुविधाजनक बनाना है। इससे पहले, मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीतियों के दो प्रारूप जारी किए हैं। 2019 के मसौदे में ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र के छह व्यापक क्षेत्रों- डेटा, बुनियादी ढांचे का विकास, ई-कॉमर्स बाजार, नियामकीय मुद्दे, घरेलू डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना और ई-कॉमर्स के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान देने का प्रस्ताव किया गया है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी के दाम, इस लेवल तक जाएगी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ रही चांदी की कीमतों ने सबको चौंका दिया। फिलहाल चांदी का भाव प्रति किलो 1 लाख से ऊपर चल रहा है और बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिवाली तक यह 1.30 लाख प्रति किलो के पार पहुंच सकता है। यह तेजी सिर्फ आम ग्राहकों ही नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भी एक बड़ा संकेत मानी जा रही है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय सुरेश केडिया के मुताबिक, वैश्विक बाजार में तकनीकी ब्रेकआउट के चलते चांदी की कीमत में यह उछाल देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में चांदी का भाव 1.25 लाख से 1.30 लाख प्रति किलो के बीच पहुंच सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 37 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है, जो एक महत्वपूर्ण स्तर माना जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव में कुछ नरमी आने से भी औद्योगिक मांग में तेजी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी की मांग इलेक्ट्रिक वाहनों, 5त्र तकनीक और क्लीन एनर्जी सेक्टर में सबसे अधिक है, जिससे इसकी कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 1,000 की तेजी के साथ 1,08,100 प्रति किलोग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोना 110 गिरकर 97,670 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ज्वेलर्स और स्टॉकिस्टों द्वारा की जा रही बिकवाली की वजह से सोने में यह गिरावट देखी गई।

एनसीएलटी ने आईनॉक्स विंड एनर्जी व आईनॉक्स विंड के विलय को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड और आईनॉक्स विंड लिमिटेड के विलय को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन व्यवसाय को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि इस विलय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन ऊर्जा व्यवसाय का सरलीकरण और सुव्यवस्थितीकरण होगा, तथा समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

बिहार में बढ़ी मुखिया की ताकत

चुनाव से पहले पंचायत सरकार भवन के लिए भी नीतीश का अहम फैसला

राज्य ब्यूरो, पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सीएम सचिवालय स्थित संवाद कक्ष में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति तथा जिला परिषद के प्रतिनिधियों के एक शिष्टमंडल के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने यह घोषणा की कि मुखिया अब पांच लाख की जगह 10 लाख तक कि मनरेगा योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति दे सकेंगे। इस बारे में आदेश दिया जा रहा है।

वहीं पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तर के प्रतिनिधियों के मासिक भत्ता को डेढ़ गुना बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने यह लक्ष्य तय किया है कि राज्य सभी ग्राम पंचायतों में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शेष बचे 1069 नए पंचायत सरकार भवनों को भी स्वीकृति दी गयी है। इन स्वीकृत पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का जिम्मा ग्राम पंचायत को देने का आदेश दिया जा रहा। इसके लिए यदि जमीन मुख्यालय वाले गांव में नहीं है तो पास वाले गांव में भी जमीन ली जा सकती है। उन्हें उम्मीद है शीघ्र जमीन का चयन कर काम को आरंभ किया जाएगा। समय से पहले पंचायत सरकार भवन निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के आर्म्स लाइसेंस के आवेदन को डीएम निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने की कार्रवाई करेंगे। अभी यह व्यवस्था है कि पंचायत प्रतिनिधियों की आकस्मिक मृत्यु पर उनके स्वजन को पांच लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान दिया जाता है। अब नयी व्यवस्था यह की जा रही कि पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यकाल में उनकी सामान्य मृत्यु पर भी पांच लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। पंचायत प्रतिनिधि अगर बीमार होते हैं तो उन्हें भी मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को मिले 15 वें वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग की राशि के उपयोग में\इ \इतेजी लाने के लिए 15 लाख रुपये तक की योजनाओं कार्यान्वयन विभागीय तौर पर किया जाएगा।

जिला परिषद संघ की प्रतिनिधि कृष्णा यादव, पंचायत समिति की प्रमुख रश्मि कुमारी, मुखिया संघ के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय तथा पंच-सरपंच संघ के अध्ययक्ष आमोद कुमार निराला। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सच्वि डा. एस सिद्धार्थस सचिव कुमार रवि व कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जमुई में बाइक ने किसान को कुचला, मौत

जमुई। टाउन थाना क्षेत्र के लोहरा गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बाइक की टक्कर से बिनो महतो (70) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का बेटा शौकेंद्र महतो ने बताया कि उसके पिता खेत की सिंचाई के लिए पाइप लेकर निकले थे। लोहरा से अड़सार जाने वाली मुख्य सड़क पर बागीचा के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक गाड़ी समेत फरार हो गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही टाउन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। टाउन थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। बता दें इससे एक दिन पहले भी बुधवार को सोनो के पास एक अज्ञात गाड़ी की टक्कर से 2 बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी।

ग्रामीण चिकित्सक की गोली मारकर हत्या

इलाके में दहशत का माहौल; पुलिस हर पहलुओं पर कर रही जांच

भागलपुर। जिले के नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत गोपालपुर थाना क्षेत्र के करचीरा गांव में गुरुवार को दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात में बेखौफ अपराधियों ने एक ग्रामीण चिकित्सक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मो. रिजवान पिता- मो. आलमगीर के रूप में हुई है। बताया गया कि मो. रिजवान अपने एक सहयोगी के साथ किसी काम से दूध लेने करचीरा गांव पहुंचे थे, तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चार से पांच की संख्या में रहे अपराधी पहले से मौके पर घात लगाए बैठे थे। जैसे ही मो. रिजवान गांव में दाखिल हुए, उन पर फायरिंग शुरू कर दी गई। जान बचाने के लिए वे गांव की गलियों में भागने लगे, लेकिन अपराधियों ने उनका पीछा करते हुए तीन गोलियां दागीं। एक गोली उनके सीने में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में परिजनों ने उन्हें तत्काल गोपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोगों का कहना है कि मृतक आर्थिक रूप से संपन्न थे और उनसे लगातार रंगदारी की मांग की जा रही थी। वहीं, कुछ लोग इस हत्या के पीछे अवैध संबंधों की आशंका भी जता रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने फिलहाल किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस हत्या की वारदात के बाद करचीरा और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग काफी भयभीत हैं। गोपालपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल, किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इस घटना ने एक बार फिर नवगछिया पुलिस की कार्यशैली और जिले की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिनदहाड़े एक चिकित्सक की सरेआम हत्या ने आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर चिंता उत्पन्न कर दी है।

बिहार चुनाव से पहले चिराग पासवान की पार्टी एनडीए सरकार पर सख्त

पटना। विधानसभा चुनाव के करीब आते ही केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की अगआई वाली लोजपा (रा) बिहार की एनडीए सरकार के प्रति सख्त होती जा रही है। गुरुवार को यहां हुई पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में राज्य सरकार पर बहुजनों और खासकर दलितों की बच्चियों के प्रति दुष्कर्म ओर हिंसा की दूसरी घटनाओं को रोकने में विफलता का आरोप लगाया गया है। बढ़ते अपराध पर भी चिंता जाहिर की गई। बैठक में पारित एक प्रस्ताव में कहा गया है-दलितों से जुड़े कई मामलों में राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल रही है। इसके कारण कई बच्चियों की जान भी चली गई। पार्टी ने न्याय न मिलने की स्थिति में अदालत से सड़क तक संघर्ष करने की धमकी दी है। बैठा की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने की। संगठन के प्रभारी एवं सांसद अरुण भारती के अलावा पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी इसमें उपस्थित थे। एक अन्य प्रस्ताव में कहा गया है कि दलितों के मनरेगा कार्ड रद करने के मामले में वैध प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। सरकार की गलत प्रक्रिया के कारण लाखों दलित परिवार राशन से वंचित कर दिए गए हैं। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि बिहार सहित देश भर में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृति के वितरण में भेदभाव हो रहा है। इसके कारण इन वर्गों के बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। यह सब प्रशासनिक उदासीनता ही नहीं, नीतिगत पक्षपात का भी परिचायक है। पार्टी ने अपनी छात्र इकाई को गांव और प्रखंड स्तर पर छात्र सहायता शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। एक प्रस्ताव में कहा गया है कि महादलित समुदाय के लोगों को अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए पार्टी संघर्ष करेगी। इस समुदाय को योजनाओं की भीख नहीं, हक और हिस्सेदारी चाहिए। लोजपा (रा) ने विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का संकल्प लिया है। कहा गया कि पार्टी जिन सीटों पर चुनाव लड़ेगी, कार्यकर्ता पूरी शक्ति से जनता के बीच जाएंगे, जहां गठबंधन की भावना और समझदारी की जरूरत होगी, पार्टी उसी संकल्प और समर्थन के साथ अपने सहयोग को प्रस्तुत करेगी। महत्वपूर्ण यह है कि इस प्रस्ताव में एनडीए की चर्चा नहीं की गई है।पार्टी 29 जून को राजगीर में बहुजन-भीम संकल्प समागम आयोजित करने जा रही है। इसमें भी विधानसभा चुनाव पर चर्चा होगी। किसी प्रस्ताव में केंद्र और राज्य सरकार की किसी उपलब्धि की चर्चा नहीं की गई है।

गंडक नदी में डूबे 5 युवक, एक का मिला शव

चंपारण। पश्चिम चंपारण के धनहा थाना क्षेत्र में बुधवार को गंडक नदी में नहाने गए 5 युवक डूब गए थे। इस घटना से इलाके में कोहराम मच गया है। हादसे के 20 घंटे बाद गुरुवार सुबह झेंगट गद्दी के पुत्र आस मोहम्मद गद्दी का शव बरामद किया गया है। बाकी 4 युवक अब भी लापता हैं। उनकी तलाश में रउक्क्ष् की टीम और स्थानीय गोताखोर लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। लापता युवकों की पहचान नेयाज गद्दी, दिलशान गद्दी, मेहताब गद्दी और जमादिन गद्दी के रूप में हुई है। सभी एक ही गांव सेमरबारी (खालवा पट्टी टोला) के रहने वाले और दोस्त थे। घटना बुधवार दोपहर करीब 3 बजे की है। सेमरबारी गांव के खालवा पट्टी टोला से 10झ12 युवक ट्रैक्टर पर सवार होकर गौतम बुद्ध सेतु पुल के नीचे गंडक नदी में नहाने पहुंचे थे। गहराई और तेज बहाव का अंदाजा न लगने की वजह से 5 युवक पानी में डूब गए। साथी युवकों ने घटना के तुरंत बाद शोर मचाया और पुलिस व ग्रामीणों को सूचना दी। थोड़ी देर में धनहा थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भारती, भितहा थानाध्यक्ष राकेश कुमार, इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह और मधुबनी अंचलाधिकारी नंदलाल राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बुधवार को संसाधनों की कमी के कारण कोई रेस्क्यू शुरू नहीं हो सका। इससे गुस्साए लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। गुरुवार सुबह से SDRF की टीम और स्थानीय गोताखोरों ने मिलकर तलाश शुरू की। जिला प्रशासन ने कहा है कि रेस्क्यू अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक बाकी युवकों का भी पता नहीं चल जाता। SDRF की टीम मौके पर डटी हुई है और हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक, सीट बंटवारे समेत इन मुद्दों पर चर्चा

पटना। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया महागठबंधन की बैठक शुरू हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जहां बैठक उनके ही आवास (पोलो रोड) पर चल रही है। इंडिया गठबंधन की यह चौथी बैठक है। आगामी चुनाव को देखते हुए इसे काफी अहम माना जा रहा है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इस बैठक में सीट शेयरिंग और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा हो सकती।सूत्रों के अनुसार अब तक के फामूर्ले पर अगर नजर डालें तो राष्ट्रीय जनता दल 145 सीटों पर चुनाव लड़ सकता है। वहीं कांग्रेस 50, वामदल 30 और बाकी बची 18 सीटें मुकेश सहनी और पशुपति पारस की पार्टी के खाते में जा सकती है। हालांकि, मुकेश सहनी 60 सीट और डिप्टी सीएम का पद मांग रहे हैं। कांग्रेस भी इस बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती हैं। इतना ही नहीं पिछले चुनाव में 19 सीटों पर लड़कर 12 सीटें जीतने वाला वामदल इस बार 35 सीटें मांग रहा है। अब बैठक के बाद ही पता चलेगा की किस पार्टी को कितनी सीटें देने पर सहमति बनी। सूत्रों की मानें तो इंडिया गठबंधन की बैठक में सभी घटक दलों के कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों को बुलाया गया है। इस कमेटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव हैं। वही राजद की ओर से अब्दुल बारी सिद्दीकी संजय यादव आलोक मेहता रणविजय यादव साहू, कांग्रेस की ओर से बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश राजेश राम, शकील अहमद, मदन मोहन झा, वामदल की ओर से राजाराम सिंह, कुणाल, ललन चौधरी, अजय कुमार, अवधेश कुमार, राम नरेश पांडे और वीआईपी की ओर से मुकेश सहनी, देव ज्योति समेत कई प्रमुख नेता आज की बैठक में शामिल होने पहुंचे हैं।

पिता ने मासूम बच्चों को काट डाला, बेटी की मौत, बेटे की हालत गंभीर, पत्नी से हुआ था विवाद

मुजफ्फरपुर। एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। पत्नी से विवाद के चलते एक पिता ने अपने दो मासूम बच्चों पर हमला कर दिया। इसमें एक तीन माह के बच्चे की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीन वर्ष के बच्चे की हालत गंभीर है। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों में चित्कार मची हुई है। यह घटना कुढ़नी थाना क्षेत्र के माधोपुर चिकनी गांव की है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया है, और पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।घटना के अनुसार, माधोपुर चिकनी गांव निवासी दिलीप पंडित ने बुधवार देर रात अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद किया, इसके बाद दोनों में मारपीट हुई। जैसे-जैसे कहासुनी बढ़ी, आरोपी पिता दिलीप ने अपना आपा खो दिया और विवाद इतना बढ़ गया कि उसने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपने दो मासूम बच्चों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में तीन वर्षीय बच्चा कार्तिक कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों ने बताया कि घर में कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, और देर रात यह विवाद इतना बढ़ गया कि दिलीप ने घर में रखे धारदार हथियार से बच्चों पर हमला कर दिया। आरोपी पिता दिलीप मौके से फरार हो गया है, जबकि बच्चों की मां-बेसुध हो गई है। इधर, पुलिस ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

पूर्णिया में दो लोगों की हत्या से हड़कंप, इस विवाद के कारण हुई थी भिड़ंत

पूर्णिया। जमीन विवाद को लेकर दो गुटों के बीच खूनी झड़प हो गई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जिसका इलाज पूर्णिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना बुधवार देर शाम जलालगढ़ थाना क्षेत्र के भरैली गांव की है, जहां जमीन विवाद में एक पक्ष ने एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की हत्या से गुस्साए लोगों ने आरोपी के पिता को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। लोगों की पिटाई से घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान पूर्णिया जीएमसीएच में मौत हो गई। मृतकों की पहचान भरैली गांव निवासी पेशकार अली के पुत्र सैफउद्दीन (35 वर्ष) और शहरअली (60 वर्ष) के रूप में की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सैफउद्दीन ने घर के पास 15 डिसमिल जमीन खरीदी थी, जिस पर मो. मुर्सलिम ने आपत्ति जताई थी। मो. मुर्सलिम का कहना था कि घर और खेत के पास जमीन वे ही खरीद सकते हैं, और किसी को भी जमीन खरीदने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बुधवार देर शाम जब सैफउद्दीन जमीन का दखल करने गया तो मो. मुर्सलिम ने मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मो. मुर्सलिम ने कमर से हथियार निकालकर तीन राउंड हवाई फायरिंग की और सैफउद्दीन के सीने में गोली मार दी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मो. मुर्सलिम और मो. मकसूद ने हथियार निकालकर हमला किया और सैफउद्दीन की हत्या कर दी।

चांय हुआ चांद टोला, पाकिस्तान टोला का भी बदला नाम, बिहार में क्यों चल रहा ये नया ट्रेंड?

भागलपुर। साल दर साल पिछड़ेपन का दंश झेलने वाली आबादी जब विकास की रोशनी से नहाई तो वह अपने गौरव के प्रति सतर्क हो गई।कलंक का टीका मानिंद हर उस कुव्यवस्था से पीछा छुड़ाने की कवायद शुरू हो गई है, जिससे उनका नाम बदनाम होता है। इसी कड़ी में बिहार के कई गांवों के नाम बदले जा रहे हैं। चांय टोला चांद टोला, पाकिस्तान टोला बिरसा ग्राम और डकैती पूजा योगी टोला बन गया है। सबका मकसद एक, उनके गांव का नाम गौरव का पर्याय बने, न कि इससे उन्हें हीनता का बोध हो। मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड स्थित हेमजापुर पंचायत का चांद टोला करीब 40 वर्ष पहले चांय टोला के नाम से जाना जाता था। ग्रामीण रूदो महतो कहते हैं कि चांय जातिसूचक है। गांव में जब शिक्षा का प्रसार हुआ तो ग्रामीणों ने नाम चांद टोला कर लिया। मुंगेर के ही शिवकुंड में चांय समाज के लोगों ने अपने टोले का नाम निषाद टोला रख लिया। ग्रामीण हृदयनारायण सिंह का कहना है कि निषाद समाज की उपजातियों को एक ही जाति का नाम देकर गांव की पहचान बदलने से आत्मसंतुष्टि मिल रही है। इन गांवों के सरकारी दस्तावेज पर बदले हुए नाम ही आ रहे हैं। लखीसराय जिले के मेदनी चौकी थाना क्षेत्र में देवघरा चांय टोला, वंशीपुर चांय टोला, खावा चांय टोला भी अब चंद्र टोला नाम से जाना जाता है। पूर्णिया जिले के श्रीनगर प्रखंड की सिंघिया पंचायत में पाकिस्तान टोला गांव है। देश के बंटवारे के समय पाकिस्तान से आए कुछ हिंदू परिवारों का यह बसेरा बना था। इस कारण पाकिस्तान टोला नाम पड़ गया। कालांतर में वे लोग बंगाल चले गए। अब यहां आदिवासी समाज के लोग रहते हैं। 35 परिवार वाले इस गांव के लोगों को यहां मौजूद असुविधा से ज्यादा इसका नाम चुभता है। तीन साल पूर्व ग्रामीणों ने गांव में बिरसा ग्राम का बोर्ड लगा दिया, पर सरकारी दस्तावेज में नाम नहीं बदला। वार्ड सदस्य छोटेलाल सोरेन का कहना है कि ग्रामीण सरकारी दस्तावेज में भी गांव का नाम बदलने की मांग कर रहे हैं कटिहार जिले के बारसोई में डकैत पूजा गांव है। बुजुर्ग बताते हैं कि पहले यहां जंगल था। विशाल बरगद के नीचे डाकू देवी माता की पूजा करते थे। इसी कारण गांव का नाम डकैत पूजा पड़ गया। इस गांव में अधिकांश लोग महादलित समाज के हैं। पूरा गांव भगवान श्रीकृष्ण का भक्त है। नाक से लेकर ललाट तक सफेद चंदन का टीका लगाते हैं। योगी कहलाना पसंद करते हैं। अब इस गांव को योगी टोला कहा जाने लगा है, लेकिन सरकारी दस्तावेज में डकैत पूजा ही है।

पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन

'नौकरी दो या सत्ता छोड़ो' आंदोलन में जुडे. दीपेंद्र हुड्डा व उदय भानु

पटना। प्रदेश कांग्रेस कमेटी और युवा कांग्रेस के बैनर तले गुरुवार को राजधानी पटना स्थित नियोजन भवन के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। श्नौकरी दो या सत्ता छोड़ोश के नारे के साथ आयोजित इस आंदोलन में कांग्रेस नेताओं ने बिहार में लगातार बढ़ती बेरोजगारी, युवाओं की हताशा और सरकारी विभागों में लंबित नियुक्तियों को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। प्रदर्शन की अगुवाई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने की। उनके साथ कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया, प्रदीप नरवाल समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।प्रदर्शन के दौरान दीपेंद्र हुड्डा खुद वाहन चलाकर पहुंचे, जिसमें अध्यक्ष राजेश राम और उदय भानु चिब भी उनके साथ सवार थे। कांग्रेस कार्यकताओं ने नियोजन भवन के मुख्य गेट पर चढ़कर नारेबाजी की और बाद में गेट में सांकेतिक रूप से ताला भी जड़ दिया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि जिस नियोजन भवन को युवाओं के भविष्य के लिए बनाया गया था, आज वह निष्क्रिय पड़ा है। हमारी सरकार के समय युवा नियोजनालय में रजिस्ट्रेशन कराते थे और नौकरियों की भर्ती इसी माध्यम से होती थी। आज न तो नियुक्तियां हो रही हैं और न ही युवाओं को कोई दिशा मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार सरकार के 45 विभागों में करीब 5 लाख पद खाली हैं, लेकिन सरकार युवाओं को नियुक्ति देने के बजाय टाल-मटोल कर रही है। अगर सरकार नौकरियां नहीं दे सकती तो सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। पटना के अलावा कांग्रेस और युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया, गया, औरंगाबाद, सासाराम, सुपौल, कटिहार, भागलपुर, सीतामढ़ी, बक्सर, बेगूसराय, समस्तीपुर, खगड़िया, वैशाली, अररिया, मधुबनी, सारण, भोजपुर, पूर्णिया, सिवान समेत राज्य के विभिन्न जिलों में भी विरोध प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य युवाओं में व्याप्त बेरोजगारी, बढ़ते पलायन और सरकारी उदासीनता के खिलाफ जन-जागरण करना था। कांग्रेस नेताओं ने साफ किया कि यह आंदोलन आगे भी तब तक जारी रहेगा जब तक युवाओं को रोजगार नहीं मिलता। प्रदर्शन के कुछ ही घंटे बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन की चौथी बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर रणनीति तय करने की संभावना जताई गई।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे ?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीकहोती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती है। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते है। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों -वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते ? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रहीं हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी लड़खड़ाई

लॉर्ड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बुधवार को लडखड़ाई और उसके बल्लेबाज संघर्ष करते देखे गये। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने 22 ओवर में 43 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये है।

बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम(शून्य) का विकेट गवां दिया। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद रियान रिकलटन (16) भी स्टार्क का शिकार बने। वियान मुल्डर (छह) को पैट कमिंस ने बोल्ड आउट किया। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स (दो) को जॉश हेजलवुड ने बोल्ड आउटकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी करा दी। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका 43 रन पर चार विकेट गवांकर संघर्ष करती दिखी। कप्तान टेम्बा बावूमा (नाबाद तीन) और डेविड बेडिंघम (नाबाद आठ) क्रीज पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिये। जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला । दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्को यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। लाइर्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिंघम के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्को यानसन ने आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्को यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्को यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईएसएसएफ विश्व कप: सिफत कौर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में जीता कांस्य

म्यूनिख (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने बृहस्पतिवार को यहां ISSF विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी।

क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं।

स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया। श्रीयंका सदांगी 582 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहीं और निश्चल 60वें स्थान पर रहीं।

इंग्लैंड टीम को सीरीज से पहले ही करारा झटका, तेज गेंदबाज टंग चोटिल हुए, युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

-युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

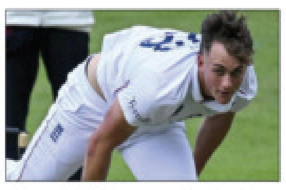

लंदन(एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका पहले टेस्ट में खेलना संभव नजर नही आता। इसको देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने 19 वर्षीय युवा गेंदबाज एडी जैक को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरु होगा। टीम में शामिल एडी जैक ने अभी तक केवल दो फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, दोनों इंडिया ए के खिलाफ, और दोनों ही ड्रॉ रहे थे।. नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इस गेंदबाज ने दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने इस युवा तेज गेंदबाज पर भरोसा जताया है। छह फीट चार इंच लंबे 19 साल के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए अपने प्रदर्शन से कोच ब्रेडन मैकुलम को प्रभावित किया था। जैक ने इंडिया ए के खिलाफ पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल सहित दो खिलाड़ियों को आउट किया था। इस गेंदबाज को इंग्लैंड लॉयंस में बिना किसी फर्स्ट क्लास मैच के अनुभव के शामिल किया गया था। जैक ने अभी तक 11 लिस्ट ए मुकाबलों में 19 और तीन टी20 मैचो में दो विकेट लिए हैं। इस युवा गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर 19 टीम की ओर से भी खेला है। इस टीम के साथ वह इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी पहुंचे थे। तब उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा था। मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ अभ्यास मुकाबले में भी वह टीम में शामिल थे। तब इस गेंदबाज ने पांच विकेट लिए थे।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी के बाद से उन्होंने सिर्फ आईपीएल खेला है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई ।आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं।इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है। इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं।बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं।गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं।तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं।वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार एक स्थान नीचे आकर छठे स्थान पर हैं।गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण 706 और बिश्नोई 674 के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 653 भी शीर्ष 10 में शामिल हैं।ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ सूची में नंबर एक पर हैं।इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। राशिद के 710 अंक हैं वहीं नंबर एक पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 723 अंक हैं।राशिद के टीम के साथी ब्राइडन कार्स 16 स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं।इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के लाभ से 16वें स्थान पर हैं।वहीं सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक संयुक्त 38वें स्थान पर ।

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव

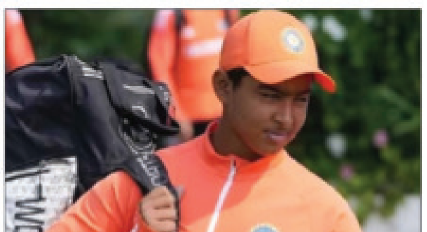

मुम्बई ।आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से स्टार बने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लग गये हैं।वैभव ने इसी दौरान 90 गेंदों में 190 रन बना दिये। वैभव ने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास मैच के दौरान 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये।भारतीय अंडर-19 टीम 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड दौरे पर रहेगी। ये टीम इस दौरान मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसय और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।इसके अलावा 50 ओवर का एक अभ्यास मैच भी होगा।वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे।वैभव ने अपनी पहचान 12 साल की उम्र से ही पहली बार तब बनायी थी जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू कर सबको हैरान कर दिया था।वहीं जब उन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंद में शतक लगाय तो सभी देखते रह गये।उन्होंने यह पारी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली थी. यह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।एनसीए में खेले गए अभ्यास मैच में भी वैभव सूर्यवंशी ने वही अंदाज दिखाया जिसके लिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है।वैभव ने मंगलवार को खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में लॉन्ग-ऑन, मिडविकेट के ऊपर से लंबे-लंबे छक्के जड़े. इतना ही नहीं उन्होंने पॉइंट के ऊपर से भी छक्का मारा।उनकी इस पारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

डैरेन सैमी का दावा, फ्रैंचाइजी टी20 लीग में खेलने के लिए और खिलाड़ी लेंगे संन्यास

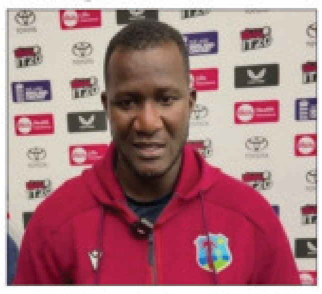

स्पोर्ट्स डेस्क। डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के संन्यास के बारे में बात की, जिन्होंने कई अन्य लोगों की तरह हाल ही में कई कारकों से राष्ट्रीय टीमों की तुलना में फ्रैंचाइजी-आधारित टी20 लीग खेलना ज्यादा पसंद किया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20आई के बाद जिसमें वेस्टइंडीज को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, सैमी ने पत्रकारों से बातचीत में जब पूरन, क्लासेन और अन्य के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावा किया कि उनकी अंतरात्मा ने उन्हें इस तरह की घटना के होने का संकेत दिया था। सैमी ने दावा किया कि उन्हें पूरन जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में रखना अच्छा लगता, लेकिन उन्होंने कहा कि वह किसी खिलाड़ी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकते। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच को खुशी है कि पूरन ने अपने फैसले के बारे में पहले ही बता दिया क्योंकि टी20 विश्व कप 2026 बहुत दूर नहीं है। सैमी ने कहा, 'मेरी सहज बुद्धि ने मुझे बताया कि ऐसा कुछ होगा। आदर्श रूप से, ऐसी प्रतिभा वाले खिलाड़ी को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता, मैंने उन्हें शुभकामनाएं दी, और उन्होंने टीम को शुभकामनाएं दीं। अब निकोलस पूरन के बिना गेम प्लान बनाने से आगे बढ़ने की कोशिश करने की बात है। विश्व कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उन्होंने हमें काफी पहले ही बता दिया था इसलिए हमारे पास उनके बिना योजना बनाने के लिए अधिक समय है।' पूर्व कप्तान को लगता है कि टी20 क्रिकेट जिस तरह से काम करता है, उसे देखते हुए अधिक क्रिकेटर पूरन के रास्ते पर चल सकते हैं। दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तान को लगता है कि खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज के लिए खेलने के लिए प्रेरित करना व्यक्तियों के लिए एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों ने भी इसी तरह का रास्ता अपनाया है। सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस दिशा में और भी लोग इसी मूड में आगे बढ़ेंगे। टी20 क्रिकेट अब ऐसा ही है, और खास तौर पर वेस्टइंडीज से, जहां हम अपने खिलाड़ियों को शिखर पर खेलने के लिए प्रेरित रखने की कोशिश में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं होगा। आपने देखा होगा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक, इन लोगों के बारे में बात करता है, जो रिटायर हो चुके हैं। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।'

स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, शमी का रिकार्ड तोड़ा

लॉर्ड्स ।ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।स्टार्क ने इसी के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा। स्टार्क ने यह उपलब्धि डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले ही दिन हासिल की।

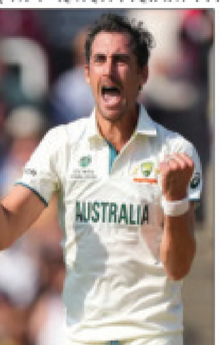

स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम को पेवेलियन भेज दिया।आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के नाम था पर अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है।. शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे पर स्टार्क के नाम अब 11 विकेट हो गए हैं।स्टार्क ने साल 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे।वहीं भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चार विकेट लिए थे। उन्होंने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे।वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं।उनके 5 पारियों में 8 विकेट हैं।वहीं भारत के रवींद्र जडेजा के नाम भी आठ विकेट हैं।स्टार्क के डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में कुल 74 विकेट हो गये हैं।पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं।स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम 383 को भी पीछे छोड़ दिया है।इस प्रारूप में उनके 384 विकेट हैं।मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारकर्म को शून्या वहीं रेयान रिकेल्टन को 16 रनों पर ही आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम को करारा झटका दिया।वही कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया।

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमें में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामेंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसारन श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह क्या कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेंगीहै। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा , विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है : मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैंम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।' इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।'

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।'

उन्होंने कहा, 'स्पिन विभाग में हमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे।' भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है।' मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है। हम जानते हैं कि डकेट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन स्मिथ के पास जो ताकत है वह अद्भुत है।'

ख्वाजा डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लॉर्ड्स । ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा यहां लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपना खाता भी

नहीं खोल पाये।ख्वाजा सबसे अधिक गेंद खेलकर शुन्य पर आउट होने वाले संयुक्त रुप से तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं।ख्वाजा सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अपना शिकार बनाया।उन्होंने अपनी पारी में 20 गेंदें खेली थीं।वहीं डब्ल्यूटीसी में इससे पहले तीन सलामी बल्लेबाजों डेविड वार्नर ने 22 गेंदें, शॉन मार्श ने 21 गेंदें और सैमी जोन्स ने 20 गेंदें खेली थीं।इस मैच में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हमने सबसे अच्छा संयोजन चुना है।ये एक बेहतर फाइनल रहेगा।वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि पहले बल्लेबाजी में समस्य नहीं है।ये विकेट अच्छा लग रहा है। सभी खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है।टीम बिना किसी दबाव के उतरी है और उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना है।

देश तरक्की करता हैं... तब कांग्रेस पार्टी को दुख होता : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि उनके पास कांग्रेस के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है, तब कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेता दुख में डूब जाते है। भाजपा सांसद ने बीते 11 वर्षों में भारत के विकास पर कहा कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम करीब हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था। अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तब मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि गांवों में जो कौशल है उनके उत्पादों को बाजार में लाने, उन्हें एक मंच देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इससे विभिन्न राज्यों के उत्पादों को एक दूसरे तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

सुवेंदु अधिकारी की ममता सरकार से मांग, पीड़ितों से मिलने दिया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाब्रुज विधानसभा क्षेत्र के तहत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होते हैं, तब याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसके तहत मैंने कल ऐसा किया। मैंने डीजीपी से मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका। कुछ अधिकारियों ने मुझे बताया है कि उन्होंने (डीजीपी) ममता बनर्जी से बात की, और उन्होंने कहा कि उनसे (सुवेंदु अधिकारी से) मिलने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा नेता का दावा हैं कि उसी आदेश में यह भी लिखा है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तब कोर्ट केंद्रीय अर्धसैनिक बल को निर्देश देगा, यह आदेश 30 जुलाई तक वैध है। इसलिए हम इसी मांग को लेकर याचिका दायर कर रहे हैं। हमारे द्वारा इसके लिए दो स्थगन प्रस्ताव भी दिए हैं... मैंने डीजीपी और एसपी डायमंड हार्बर को पहले ही ईमेल भेज दिया है कि एलओपी और एक विधायक को पीड़ितों से मिलने की अनुमति दी जाए।

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 19 लाख रुपये का था इनाम

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इसमें छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इसमें से नौ नक्सली केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इसके पहले जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने बताया कि सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है तथा उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सुविधाएं दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष कुल 104 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

यूपी में हीटस्ट्रोक से 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी भीषण लू की चपेट में है। पिछले 24 घंटे में हीटस्ट्रोक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। कानपुर में गर्मी से 12 बगुलों की मौत हो गई। मोतीझील किनारे दीवारों पर बगुले मृत पाए गए।

इधर, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सीएम योगी को एक लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों को आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। 15 जून को प्राइमरी स्कूल खुलेंगे। अनिल ने कहा- इस समय गर्मी ज्यादा है, बच्चे बीमार हो सकते हैं।

ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की नजर, करेगा बड़ा खेला

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की चिंता एक जटिल जियो-पॉलिटिकल परिदृश्य का हिस्सा बनी हुई है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करता है। यह चिंता न केवल इन देशों की परमाणु क्षमताओं से, बल्कि इनके रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव से भी जुड़ी है।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम दशकों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता का कारण है। 2015 में ईरान और अमेरिका ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत ईरान ने अपने परमाणु गतिविधियों में कटौती करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण को स्वीकार करने का वादा किया था, बदले में ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली।

हालांकि, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते से बाहर निकलने का फैसला किया, जिससे तनाव बढ़ गया। हालिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना की सीमाओं का उल्लंघन करते हुए अपने यूरेनियम के भंडार को बढ़ाया है, जो 2015 की सीमा से 22 गुना ज्यादा है।

अक्टूबर 2023 की आईएईए रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने यूरेनियम संवृद्धि को बढ़ाया है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने को तैयार है। अमेरिका को डर है कि एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में अस्थिरता ला सकता है। उसके सहयोगियों जैसे इज़राइल और सऊदी अरब को खतरा पैदा कर सकता है।

इसके लिए अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है, खासकर अगर वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण को लेकर चिंताओं को संबोधित करती है। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने कहा है कि वे अमेरिका के धमकी के तहत बातचीत नहीं करने वाले हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं पाकिस्तान पहले से ही परमाणु हथियारों से लैस है। इसका परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के लिए चिंता का विषय रहा है। खासकर भारत के साथ क्षेत्रीय तनाव के बाद में। हाल ही में, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाइयों ने परमाणु संघर्ष के जोखिम को उजागर किया है, जिससे अमेरिका को मध्यस्थता करनी पड़ी।

मई 2025 में दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए, जिससे गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। अमेरिका को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। पाकिस्तान का चीन के साथ परमाणु सहयोग भी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि चीन ने पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है। पाकिस्तान का ड्रैगन के साथ सहयोग दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को बढ़ा सकता है, जो अमेरिका के रणनीतिक हितों के लिए ठीक नहीं। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत 1979 में हुई थी, जब अमेरिका ने पता लगाया कि पाकिस्तान गुप्त रूप से यूरेनियम संवृद्धि कर रहा है। पाकिस्तान ने 1998 में परमाणु परीक्षण किए। अब उसके पास लगभग 165 परमाणु वारहेड्स हैं, जो भारत और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी चिंता का एक बड़ा हिस्सा यह है कि ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन के लिए खतरा है, जबकि पाकिस्तान के मामले में, भारत के साथ तनाव और चीन के साथ सहयोग एक जटिल रणनीति पैदा करते हैं।

शेख हसीना का बड़ा दावा, अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देती...तब सत्ता में होती

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस को आतंकियों का समर्थन कर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यूनुस के शासन में देश में अपराध और हिंसा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं शहरों में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और त्यौहारों पर लोग गांव जाने से डरते हैं, क्योंकि आतंकियों का डर बना रहता है। शेख हसीना ने यह भी दावा किया कि यूनुस 2026 में चुनाव कराने की बात कहकर बांग्लादेश की जनता के साथ अप्रैल फूल बना रहे हैं। हसीना ने कहा कि यूनुस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक पुराने सुझाव को लेकर रोहिंग्या कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप बेचा जा सकता है और समुद्र तक देश की पहुंच खतरे में पड़ सकती है। हसीना ने चेतावनी दी कि यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है और विदेशी ताकतें इसका फायदा उठा सकती हैं। सेना प्रमुख ने भी खूनी कॉरिडोर बताकर कहा था कि इस पर कोई फैसला केवल चुनी हुई सरकार ही ले सकती है। हसीना ने दावा किया कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देतीं, तब आज भी सत्ता में होतीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह देश की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकतीं।

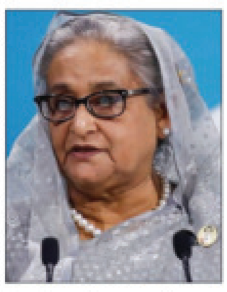

कर्नाटक- कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला, 90 दिनों में होगा पूरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पूर्व महाधिवक्ता मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से 90 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट देने को कहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने यह काम 70 दिनों में पूरा कर लिया। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से जातियों की फिर से गणना करने को कहा। यह कर्नाटक के प्रमुख समुदायों की शिकायतों का जवाब था कि सर्वेक्षण के लिए एकत्र किए गए डेटा में जाति की फिर से गणना की गई है। इससे पहले सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों को फिर से दर्ज करने का फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है और यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं।

2030 तक देश के बड़े शहरों में बढ़ेगी गर्मी और बारिश मचाएगी तबाही

- अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा, जलवायु परिवर्तन से बिगड़ रहे हालात

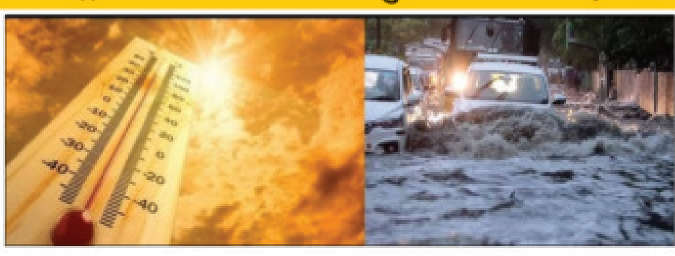

नई दिल्ली(एजेंसी)। 2030 तक देश के कई बड़े शहरों में गर्मी और बारिश का कहर और बढ़ जाएगा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली समेत मुंबई, चेन्नई, सूरत, ठाणे, हैदराबाद, पटना और भुवनेश्वर में अगले कुछ सालों में भीषण हीटवेव का खतरा दोगुना हो जाएगा यानी अब गर्मी केवल मई-जून तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मानसून के दौरान भी लोगों को गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 'तूफान का सामना करना, गर्म होते जलवायु में मानसून का प्रबंधन नाम से आई है, जिसे दो समूह ने मिलकर जारी की है। रिपोर्ट को जलवायु विशेषज्ञों ने तैयार किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लंबे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं के कारण न सिर्फ लू का खतरा बढ़ेगा, बल्कि बारिश भी अनियमित हो जाएगी। भारत के करीब 80 फीसदी जिलों में 2030 तक मानसून के दौरान भारी बारिश और हीटवेव दोनों एक साथ देखने को मिल सकते हैं। दिल्ली में तो इस साल मई-जून में कई बार लू चली है।

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में मानसून के मौसम में भी तापमान सामान्य से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में लोगों को गर्मी और भारी बारिश की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अब ये हालात केवल गर्मियों तक सीमित नहीं रहेंगे। मानसून के दौरान भी तापमान में खतरनाक बढ़ोतरी हो रही है। इससे लगातार तेज गर्मी और मूसलाधार बारिश का मेल तैयार हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक देशभर में हीटवेव के दिनों में 2.5 गुना तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा अत्यधिक बारिश की घटनाओं में 43 फीसदी तक इजाफा हो सकता है यानी एक तरफ तेज गर्मी तो दूसरी ओर अचानक तेज बारिश। दोनों ही हालात जलवायु परिवर्तन की वजह से बिगड़ते जा रहे हैं। विश्लेषण में ये भी बताया गया है कि पिछले 30 सालों में मार्च से सितंबर तक हीटवेव वाले दिनों में 15 गुना तक बढ़ोतरी हुई। सिर्फ पिछले 10 सालों में ही ऐसी घटनाएं 19 गुना बढ़ी हैं। इससे साफ होता है कि अब हालात तेजी से बदल रहे हैं और हमें इन खतरों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली समेत देश के 72 फीसदी टियर-1 और टियर-2 शहरों में गर्मी और बारिश के इन खतरों के साथ-साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि जैसी घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, यूपी, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में खतरा ज्यादा रहेगा। गुजरात, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के करीब 75 फीसदी जिलों को अगले पांच साल में लगातार गर्मी और अनियमित बारिश का सामना करना पड़ सकता है। ये सभी इलाके अब जलवायु परिवर्तन के सबसे संवेदनशील हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे ये सुझाव भी दिया गया कि देश में जलवायु जोखिम को समझने के लिए एक 'क्लाइमेट रिस्क ऑब्जर्वेटरी' यानी जलवायु जोखिम वेधशाला बनाई जानी चाहिए। इससे हर इलाके का बारीकी से आकलन किया जा सकेगा और समय रहते अलर्ट जारी किए जा सकेंगे साथ ही सरकार को ऐसे आर्थिक उपाय भी करने होंगे जिससे आम लोगों पर पड़ने वाले आर्थिक असर को संभाला जा सके।

अमेरिका ने भारत को दिए तीन कूटनीतिक झटके... लेकिन फिर भी मोदी चुप

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्षी सांसदों से मिलने की मांग की

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम ने कहा कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्यौता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रंप ने खत्म कराया। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार पर हमलावर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार साझेदार बताया। क्या यहीं पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल मुनीर को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्यौता भेजा है। यह वहीं मुनीर है, जो कि पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने फिर कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

फडणवीस और राज ठाकरे की गुपचुप मुलाकात... क्या उद्धव से बिगड़ गई बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार को एक बड़ा घटनाक्रम दिखाई दिया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुंबई के पांच सितारा होटल में बंद कमरे में बैठक हुई। यह मुलाकात करीब एक घंटे चली और बैठक को किसी भी पक्ष ने पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। यह मुलाकात तब हुई है जब शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) लगातार एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावनाओं को हवा दे रही थी और 'मराठी मानुस' की एकजुटता की अपील हो रही थी। वहीं, एमएनएस की चुप्पी और अब भाजपा नेताओं से मुलाकात इस बात का संकेत देती है कि राज ठाकरे उद्धव ठाकरे की बजाय भाजपा और शिंदे गुट के साथ जुड़ने का मन बना रहे हैं।

बता दें कि 14 जून को राज ठाकरे और 13 जून को आदित्य ठाकरे का जन्मदिन है। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता इन तारीखों को प्रतीकात्मक एकता दिवस के रूप में पेश कर रहे थे, लेकिन यह अचानक बैठक उनके मंसूबों पर पानी फेर सकती है।

पिछले कुछ महीनों से उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य और संजय राऊत सहित शिवसेना (यूबीटी) के नेता लगातार राज ठाकरे से सार्वजनिक अपील कर रहे थे। पुराने पारिवारिक फोटो, सोशल मीडिया पोस्ट और सामना में प्रकाशित भावनात्मक लेखों के माध्यम से मराठी अस्मिता की एकता का संदेश दिया जा रहा था। लेकिन एमएनएस की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

वहीं राज ठाकरे को भाजपा के अलावा शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से भी गठबंधन का प्रस्ताव मिला है। संजय शिरसाट, मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता ने कहा, ÷हमने पहले भी विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन की पेशकश की थी। आज भी हम राज साहेब को साथ आने का निमंत्रण देते हैं।÷

यूएन की रिपोर्ट: भारत में घट रही प्रजनन दर, भविष्य के लिए चुनौती

-बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीति जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जनसंख्या में बड़ा और निर्णायक बदलाव आया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर अब 'प्रत्यास्थापन स्तर' यानी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है। इसका मतलब है कि अब जितने लोगों की देश में मौत हो रही हैं, उतने नए जन्म नहीं ले हो रहे। 2025 के अंत तक भारत की जनसंख्या के 1.46 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन चिंता की बात यह है कि कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 रह गई है, जबकि स्थिर जनसंख्या बनाए रखने के लिए यह दर कम से कम 2.1 होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने इसे एक 'वास्तविक प्रजनन संकट' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने इच्छित परिवार आकार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ लोगों को संतान प्राप्ति नहीं हुई है, तो कुछ सामाजिक, आर्थिक या स्वास्थ्य कारणों से बच्चे पैदा करने का फैसला टाल रहे हैं। गर्भनिरोधक साधनों की सीमित पहुंच, करियर व शिक्षा की प्राथमिकता, बदलती जीवनशैली और सामाजिक धारणाएं इस बदलाव के मुख्य कारण माने जा रहे हैं।

भारत में हालांकि अभी युवा जनसंख्या का बड़ा हिस्सा मौजूद है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की जनसंख्या में 0 से 14 साल के लोग 24फीसदी, 10 से 19 वर्ष के 17 फीसदी, 10 से 24 वर्ष के 26फीसदी और 15 से 64 वर्ष के लोग 68फीसदी हैं। इसका अर्थ है कि भारत फिलहाल एक बड़े 'जनसांख्यिकीय लाभांश' की स्थिति में है। यदि सरकार इस युवा शक्ति को सही दिशा दे सके, तो देश अगले कुछ दशकों में वैश्विक आर्थिक शक्ति बन सकता है।

यूएन रिपोर्ट यह बताती है कि भारत अब मध्यम आय वाले उन देशों की श्रेणी में आता है, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में करीब 79 साल लगेंगे। यह एक अहम बदलाव है, क्योंकि पहले यह समय कहीं कम था। यूएनएफपीए की भारत में प्रतिनिधि के मुताबिक भारत ने बीते 50 सालों में प्रजनन दर कम करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 1970 में जहां एक महिला औसतन 5 बच्चों को जन्म देती थी, अब यह संख्या करीब 2 हो चुकी है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का परिणाम है।

विशेषज्ञ यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह गिरावट इसी तरह जारी रही तो आने वाले सालों में भारत को तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। यह बदलाव भविष्य की सामाजिक संरचना और आर्थिक उत्पादकता दोनों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

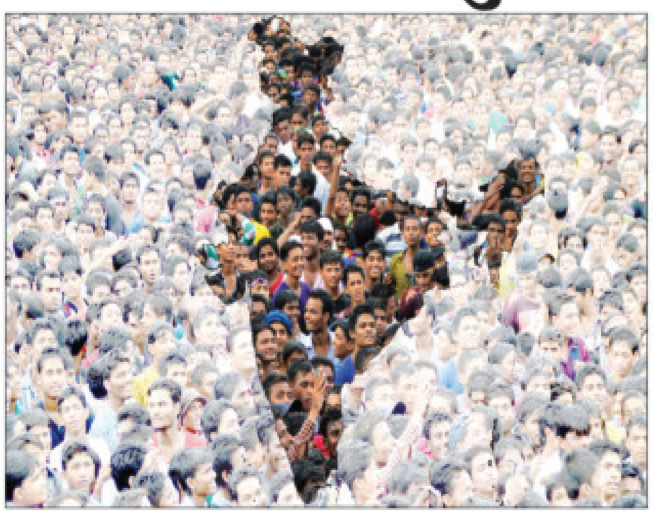

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**